डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 अगस्त 2026 सोमवार

आज का मौसम
26.8 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अब लिखी जाएगी मोदी-शाह के अगले पलटवार की असली पटकथा...

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हुंकार को केवल स्वतंत्रता दिवस का भाषण मानना राजनीतिक भूल होगी। यह भाषण दरअसल उस राजनीतिक पटकथा के संकेत देता है, जिस पर अगले दो-तीन वर्षों में मोदी-शाह की जोड़ी आगे बढ़ सकती है। सवाल यह नहीं है कि पलटवार होगा या नहीं। सवाल यह है कि उसका मैदान कौन सा होगा। सियासत, समाज, अर्थव्यवस्था, तकनीक या बदलती विश्व व्यवस्था?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

मोदी के भाषण में इसके दो स्पष्ट संकेत दिखाई दिए। पहला, 'दिमागी नक्सल' की सोच को अलग-थलग करने का आह्वान। दूसरा, 'सप्तधारा' के जरिए आत्मनिर्भर भारत की दिशा को और स्पष्ट करना। इन दोनों को एक साथ पढ़ें तो समझ आता है कि सरकार की अगली लड़ाई केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि विचार, व्यवस्था और आर्थिक शक्ति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की हो सकती है। अमित शाह 31 मार्च को देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का घोषित लक्ष्य पूरा करने का दावा कर चुके हैं। चार दशक से जंगलों में बंदूक के सहारे व्यवस्था बदलने का सपना देखने वाली हिंसक विचारधारा को सुरक्षा बलों ने निर्णायक चुनौती दी है। अब सवाल उस विचारधारा के उन शहरी और बौद्धिक प्रभाव क्षेत्रों का है, जिन्हें सरकार लंबे समय से 'अर्बन नक्सल' के रूप में देखती रही है।

लेकिन यहां एक लोकतांत्रिक सीमा भी स्पष्ट रहनी चाहिए। सरकार की आलोचना करना नक्सलवाद नहीं है और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है। असली चुनौती उन नेटवर्कों की है जिन पर हिंसक उग्रवाद को वैचारिक, आर्थिक या अन्य प्रकार का समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं। मोदी का 'दिमागी नक्सल' वाला संदेश इसी बड़े वैचारिक संघर्ष का संकेत माना जा सकता है। विदेशी फंडिंग की निगरानी भी इसी तस्वीर का दूसरा पहलू है। FCRA में प्रस्तावित बदलाव अभी कानून नहीं बने हैं, लेकिन सरकार की दिशा स्पष्ट है - विदेशी धन के इस्तेमाल, उससे बनी संपत्तियों और उससे जुड़े संगठनों की जवाबदेही को अधिक कठोर बनाना। यानी जंगल में बंदूक के बाद अब धन और नेटवर्क की नब्ज पर हाथ रखने की तैयारी। लेकिन, मोदी का शायद सबसे बड़ा टारगेट 'नक्सल' नहीं, न्यू इंडिया की अगली पीढ़ी थी। Gen-Z और Alpha को केवल वोट बैंक के रूप में देखने के बजाय उन्हें AI, तकनीक, कौशल और रोजगार से जोड़ने की कोशिश का मतलब है कि सरकार युवा ऊर्जा को राजनीतिक असंतोष से निकालकर आर्थिक शक्ति में बदलना चाहती है। एक करोड़ युवाओं को AI प्रशिक्षण और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग जैसी घोषणाएं इसी दिशा का संकेत हैं।

कहानी का दूसरा अध्याय... आत्मनिर्भर भारत

सेमीकंडक्टर से परमाणु ऊर्जा तक, AI से ड्रोन तक, रक्षा उत्पादन से अंतरिक्ष तक और महत्वपूर्ण खनिजों से समुद्री अवसंरचना तक सरकार उन क्षेत्रों पर जोर दे रही है, जो किसी देश की वास्तविक रणनीतिक स्वतंत्रता तय करते हैं। रक्षा क्षेत्र में घरेलू उत्पादन और विदेशी तकनीक के भारत में हस्तांतरण पर जोर का मकसद सिर्फ आयात बिल घटाना नहीं, बल्कि भारत को हथियारों और तकनीक का उत्पादक बनाना है। इसका असर विदेश नीति पर भी पड़ेगा। अमेरिका के साथ संबंध महत्वपूर्ण हैं, लेकिन भारत यदि किसी एक शक्ति पर निर्भर नहीं रहना चाहता तो फ्रांस, जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और दूसरे साझेदारों के साथ तकनीकी तथा औद्योगिक विकल्प खुले रखना उसकी मजबूरी भी है और रणनीति भी। ग्रेट निकोबार से लेकर बंदरगाहों और समुद्री गलियारों तक का विस्तार इसी बड़ी तस्वीर का हिस्सा है। भारत अब केवल महाद्वीपीय शक्ति नहीं, हिंद महासागर में निर्णायक आर्थिक और सामरिक शक्ति बनने की दिशा में भी बढ़ रहा है।

आज की राजनीति का जवाब और कल की शक्ति का निर्माण

मोदी का भाषण सिर्फ 'विकसित भारत' का सपना नहीं था। उसमें आज की राजनीति का जवाब और कल की शक्ति का निर्माण, दोनों साथ दिखाई दिए।

अमित शाह ने जंगल की बंदूक को चुनौती दी है। मोदी अब दिमाग, डेटा, डॉलर, ड्रोन और विकास के मोर्चे पर मैदान बदलते दिखाई दे रहे हैं। बदलती विश्व व्यवस्था में अमेरिका का दबाव, चीन की चुनौती और पश्चिम एशिया के बदलते समीकरण भारत को किसी एक खेमे का पिछलग्गू बनने के बजाय अपने हितों के आधार पर खड़े होने का अवसर भी दे रहे हैं। शायद यही मोदी-शाह के अगले पलटवार की असली पटकथा है। एक हाथ में वैचारिक और आंतरिक सुरक्षा का एजेंडा, दूसरे में आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और तकनीकी शक्ति। अब देखना यह है कि अगले दो-तीन सालों में यह पटकथा चुनावी रणनीति बनती है या भारत की नई राजनीतिक-सामरिक दिशा।

न्यूज विंडो

दातासिंह वाला बॉर्डर सील, चार लेयर सुरक्षा में रोका किसानों का जत्था

जींद। पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच के एलान को देखते हुए जींद प्रशासन ने दातासिंह वाला (खनौरी) बॉर्डर पर चार लेयर सुरक्षा व्यवस्था कर बॉर्डर सील कर दिया। पंजाब की ओर से दिल्ली जाने के लिए पहुंचे 51 किसानों के जत्थे को हरियाणा में प्रवेश नहीं करने दिया गया। डीसी और एसपी के साथ किसान नेताओं की करीब डेढ़ घंटे में दो दौर की वार्ता भी बेनतीजा रही। किसान केंद्रीय कृषि मंत्री से बातचीत और प्रस्तावित ट्रेड डील रद्द करने की मांग पर अड़े हैं। उन्होंने 29 अगस्त तक बॉर्डर पर पड़ाव जारी रखने का एलान किया है।

घरों में पहुंचा एसिड जैसा पानी दहशत में नोएडा के लोग

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-12 में सुबह घरों में सप्लाई हुआ पानी बेहद गंदा, पीला और लोगों के अनुसार, एसिड जैसा दिखाई देने से हड़कंप मच गया। पानी की गुणवत्ता को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई।प्लाट ओनर्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (पोरवा), सेक्टर-12 ने नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। पोरवा के अध्यक्ष ने बताया कि सुबह नलों से आया पानी सामान्य नहीं था। पानी का रंग पीला होने के साथ उसकी गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो गए।

सुसाइड ड्रोन दिव्यास्त्र एमके-3 की पहली सफल टेस्टिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में स्थित कावा यूएवी प्राइवेट लिमिटेड (होवरइट) ने दिव्यास्त्र एमके3 नामक अगली पीढ़ी के जेट-संचालित लॉइटिंग म्यूनिशन यानी सुसाइड ड्रोन की पहली सफल टेस्टिंग की। कंपनी के अनुसार यह भारत के इतिहास में पहली बार है जब पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण वाला लॉइटिंग म्यूनिशन है। इसमें भारतीय जेट इंजन लगा है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो लक्ष्य की तलाश में लंबे समय तक हवा में घूम सकता है। सही समय पर सटीक हमला कर सकता है।

आज का कार्टून

बिहार के लखीसराय और बंगाल के बीरभूम में दर्दनाक हादसे

भगदड़ और होटल में आग से 14 श्रद्धालुओं की मौत

- सावन के तीसरे सोमवार- नागपंचमी पर सुबह से ही उमड़ी भारी भीड़
- उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर में भी भगदड़

सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी के संयोग पर देश भर के शिव मंदिरों में आज श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसी बीच बिहार और बंगाल में हुए दो दर्दनाक हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई। उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर में भी भगदड़ से कई लोगों के घायल होने की खबर है।

लखीसराय, एजेंसी

यहां ऐतिहासिक अशोक धाम (इन्द्र दमनेश्वर महादेव) मंदिर में जुटे हजारों लोगों के बीच भगदड़ मचने से 7 महिलाओं की मौत हो गई और 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। प्रशासन का कहना है कि पुरुषों की लाइन की तरफ बिजली एक खंभा गिरने से अफवाह फैली कि बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया। ऐसे में करंट फैलने के दर से लोग भागने लगे। पुरुषों की तरफ से भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं।

सीएम सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग करंट की बात सुनकर भागने लगे। एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत भीड़ थी। तभी पोल गिरने और करंट लगने की बात फैली। बैरिकेडिंग टूटी और लोग एक-दूसरे पर गिर गए। बिहार के मंत्री केदार गुप्ता ने मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। डीएम शैलेंद्र कुमार ने कहा, 'भक्तों की लाइन मंदिर से अशोक धाम स्टेशन तक पहुंच गई थी। अफवाह के चलते भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे के ऊपर गिर गईं। पुलिस-प्रशासन सुबह 3 बजे से ही वहां मौजूद था, लेकिन हादसा अचानक 2 मिनट के अंदर हो गया। घटना से नाराज लोगों ने सदर अस्पताल के पास मुख्य सड़क जाम कर दी। लोग मुआवजे की मांग कर रहे हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

लखीसराय के अस्पताल में हो रहा घायलों का इलाज।

बीरभूम: एसी में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, दर्शन करने आए 7 की मौत

उधर, पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में आज सुबह एक होटल में आग लग गई। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और नौ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आग लगने का कारण एसी में शॉर्ट सर्किट होना है। जानकारी के मुताबिक, सावन सोमवार के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु तारापीठ मंदिर पहुंचे थे। कई लोग बिदिशिनी होटल में ठहरे थे। सुबह करीब 4:30 बजे जब लोग सो रहे थे तो होटल की पहली मंजिल पर आग लग गई। होटल का पिछला दरवाजा बंद होने से लोग तुरंत बाहर नहीं निकल सके।

महाकाल परिसर में भगदड़ जैसे हालात 13 श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ी

उज्जैन। साल में एक बार नागपंचमी पर खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए उज्जैन में भारी भीड़ उमड़ी। इसी दौरान हरसिद्धि मंदिर के सामने बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र में भीड़ का दबाव बढ़ने से भगदड़ जैसे हालात हो गए और कई श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद करीब 13 लोगों को परिजन और सुरक्षाकर्मी अस्पताल लेकर पहुंचे। सभी का उज्जैन जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

रूस का बड़ा हमला

यूक्रेन की आर्सेलर मित्तल स्टील फैक्टरी जलकर राख

कीव, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। इसी दौरान रूस ने यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में स्थित एक बड़े स्टील प्लांट को निशाना बनाया। यह प्लांट भारतीय मूल के अरबपति कारोबारी लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल का है। रूस के इस बड़े हमले में दो लोगों की मौत भी हो गई और 14 लोग घायल हुए हैं। इस हमले से प्लांट की कई महत्वपूर्ण उत्पादन सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। इसके कारण स्टील उत्पादन रोकना पड़ा है।

आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह यूक्रेन का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक हमले में बिजली उत्पादन और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़ी महत्वपूर्ण सुविधाओं को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। इन नुकसान के कारण प्लांट की उत्पादन प्रक्रिया प्रभावित हुई. यह प्लांट क्रिवी रिह में स्थित है, जो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का गृहनगर भी है। ऐसे में इस औद्योगिक केंद्र पर हमला काफी अहम माना जा रहा है। रूस ने राजधानी कीव समेत यूक्रेन के कई हिस्सों में भी मिसाइल और ड्रोन हमले किए। राजधानी के दो इलाकों में आग लग गई ? इस हमले में 3 लोग जख्मी हुए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी सेना ने देशभर में 822 यूक्रेनी ड्रोन को रोका। वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन ने भी रूस के मॉस्को क्षेत्र पर बड़ा ड्रोन हमला किया।

बीएलए का दावा: बलूचिस्तान में घिरी पाक सेना 26 पाकिस्तानी जवानों को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने आठ दिनों में बालूचिस्तान में कई हमले करने का दावा किया है। उसके लड़ाकों ने आठ दिनों में बलूचिस्तान में कुल 22 हमले किए। दावा किया गया है कि इन हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों, पुलिस चौकियों, सेना के काफिलों और कथित तौर पर सरकार समर्थित हथियारबंद समूहों को निशाना बनाया गया।

इन हमलों में पाकिस्तानी सेना और कथित 'डेथ स्क्वाड' के करीब 26 जवान मारे गए।

जबकि कई जवानों के घायल होने का दावा किया जा रहा है। BLA का यह भी दावा है कि एक कथित सदस्य को जिंदा पकड़ा गया है।

बारिश का कहर: प्रयागराज में बाढ़, घरों में 3 फीट पानी ओडिशा के स्कूल में 312 छात्र दो दिन से फंसे

लखनऊ। यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू कर रही है।

वहीं, ओडिशा के केंद्रापाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी SC/ST आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया है।

स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण अब तक रेस्क्यू टीम वहां नहीं पहुंच सकी है।

मेट्रो एंकर

एथेनॉल वाले पेट्रोल पर थम नहीं रही बहस, नागेश्वरन बोले - फसल पैटर्न भी देखा जाए

सरकार E20 पर अड़ी, उसके ही आर्थिक सलाहकार ने सुझाया E10

नई दिल्ली, एजेंसी

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर चल रही बहस के बीच भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने पुरानी गाड़ियों के लिए E10 जैसे कम इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल को फिर से शुरू करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में करीब आठ करोड़ पुरानी दोपहिया गाड़ियां हैं, जिनके इंजन और सील्स E20 के अनुकूल नहीं हैं। रेट्रोफिटिंग महंगा प्रोसेस है और इसमें काफी समय भी लग जाता है। नागेश्वरन ने 'फूड 1s फ्यूल' के मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि ई20 से आगे बढ़ने से पहले जमीन, पानी और फसल पैटर्न पर पूरा लागत और लाभ का विश्लेषण होना चाहिए। मक्का अब इथेनॉल का आधा हिस्सा दे रहा है, जो खाद्य फसलों से मुकाबला कर रहा है। सरकार ने फिलहाल ई20 को स्टैंडर्ड बनाए रखने और अलग-अलग ग्रेड उपलब्ध न कराने का रुख अपनाया है।

मक्का का बढ़ता दबदबा

एथेनॉल उत्पादन में मक्का अब लगभग आधा हिस्सा दे रहा है। एथेनॉल के लिए मक्के की खरीद तय कीमत पर होती है, जिससे बाजार भाव गिरने पर भी ये फसल आकर्षक बनी रहती है। एथेनॉल प्रोसेस के बाद बचा हुआ अनाज पशु चारे के रूप में बिकता है, जिससे सोयाबीन मील की कीमतें दबाव में आती हैं और तिलहन किसानों का उत्साह कम होता है। इसलिए नागेश्वरन का सुझाव है कि पुरानी गाड़ियों के लिए ई10 वापस लाया जाए और मक्के को अनुचित फायदा देने वाली कीमत और पानी संबंधी विकृतियों को ठीक किया जाए। हालांकि अभी तक सरकार का रुख है कि अलग-अलग ग्रेड उपलब्ध कराने से लागत और लॉजिस्टिक्स की जटिलता बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि देश में करीब 7.5 से 8 करोड़ ऐसी दोपहिया गाड़ियां हैं जो बीएस4 स्टैंडर्ड से पहले बनी थीं। इनमें ज्यादातर कार्बोरेटर सिस्टम हैं, जो फ्यूल में अतिरिक्त ऑक्सीजन को महसूस कर एडजस्ट नहीं कर पाते। पुराने रबर सील्स भी एथेनॉल के संपर्क में जल्दी खराब हो सकते हैं। इन गाड़ियों को एथेनॉल-फ्रेंडली पार्ट्स से बदलना संभव तो है, लेकिन इसकी लागत बहुत ज्यादा होगी और इसमें सालों लग सकते हैं। इसलिए पंप पर कम मिश्रण वाला विकल्प वापस लाना इन वाहनों के लिए राहत भरा कदम साबित हो सकता है।

नागेश्वरन के अनुसार इंजन संबंधी चिंताएं मुख्य बहस नहीं हैं। असल मुद्दा ये है कि एथेनॉल उत्पादन के लिए फसल पैटर्न कैसे बदल रहा है। जब जमीन और पानी एक बार ईंधन उत्पादन से जुड़ जाते हैं तो उन्हें वापस खाद्य फसलों की ओर मोड़ना मुश्किल हो जाता है। इसलिए पहले वे फैसले लेने चाहिए जो उलटे जा सकें और लंबे समय वाले फैसले पूरी जांच के बाद ही होने चाहिए।

रिहायशी क्षेत्र में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला

10 दिन की मियाद पूरी, आज से उल्लंघन के नोटिस, फिर कार्रवाई

रहवासी इलाकों में रविवार को लोगों ने बैठक कर आगामी रणनीति बनाई।

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रिहायशी इलाकों में भवनों के कमर्शियल उपयोग पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद नगर निगम ने अब तक 5778 लोगों को नोटिस थमा दिए हैं। इनमें नरेला व गोविंदपुरा विधानसभा में नोटिस की संख्या सबसे ज्यादा है। 5 से 9 अगस्त के बीच जिन्हें नोटिस दिए गए थे, उनकी 10 दिन की मियाद खत्म हो रही है। ऐसे में सोमवार को 24 घंटे की मियाद वाली आखिरी नोटिस थमाई जाएगी। इसमें आदेश के उल्लंघन का जिक्र रहेगा। उल्लेख रहेगा। इस अंतिम नोटिस के बावजूद यदि आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी बंद नहीं की गई तो प्रतिष्ठान सील करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

62 हजार संपत्तियां लिस्टेड

निगम के मुताबिक, 62 हजार से ज्यादा ऐसी प्रॉपर्टी लिस्टेड की गई है, जो रहवासी इलाके में हैं और कारोबार हो रहा है। 5 अगस्त से पहले तक 1018 को नोटिस दिए थे। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद निगम ने सर्वे का दायरा बढ़ाया और पूरे शहर में सर्वे शुरू किया। 5 से 12 अगस्त तक 1163 और 13 अगस्त को 1135 नोटिस दिए।

...ये मौसम हसीं

बरसती बूंदों से शुरू हो गए झरने आनंद दोगुना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में एक बार फिर मानसून ने रफतार पकड़ ली है। रविवार शाम से डटे बादल सोमवार दोपहर भी छाए रहे। रुक-रुककर हल्की बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। इससे सावन का तीसरा सोमवार सुबह से ही सुहावना बना रहा। भोपाल में अब तक औसत 35.5 इंच बारिश हो चुकी है। इससे पहले इतनी बारिश 2006 में हुई थी। हालांकि 2015 और 2022 में भी 30 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक की मानें तो पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में बारिश की संभावना बनी हुई है। भोपाल में भी तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। इस बीच बादलों की मेहरबानी से भोपाल-बुदनी के बीच कई झरने शुरू हो गए। लोग इसका आनंद लेने पहुंचने लगे हैं।

भोपाल-रायसेन रोड पर महादेव पानी का आकर्षण भी बढ़ गया है। इसके साथ ही भोपाल से 65 किमी दूर सीहोर-इंदौर रोड के पास अमरगढ़ वाटरफॉल, रायसेन वन रेंज और रातापानी अभयारण्य के पास डेलवाड़ी झरने की खूबसूरती देखते ही बन रही है। शहरवासी मौसम का आनंद उठाने उक्त जगहों पर पहुंच रहे हैं। इतना ही नहीं, हाथाईखेड़ा और केरवा के पास के झरने भी देखने लोग उमड़ रहे हैं।

त्योहार सिर पर हैं, पर शुद्धता की गारंटी नहीं

3000 सैंपलों के बोझ तले दबी भोपाल की लैब, रिपोर्ट में देरी से मिलावटखोर काट रहे चांदी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आपकी थाली में जो परोसा जा रहा है, वह मिलावटी तो नहीं? इसकी पुष्टि करने वाला प्रशासनिक तंत्र खुद अमले की परेशानी से जूझ रहा है। मैदानी स्तर पर अफसरों की कमी है। सैंपलों की जांच के लिए बनाई जा रहीं प्रयोगशालाएं वर्षों बाद भी अधूरी पड़ी हैं। नतीजा, पूरे प्रदेश का बोझ अकेले भोपाल स्थित प्रयोगशाला पर आ गया है। इससे मिलावट की जांच रिपोर्ट आने में हफ्तों नहीं, महीनों लग रहे हैं। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत सब्जी विक्रेता और ढाबे से लेकर बड़े होटलों तक, हर खाद्य कारोबारी के लिए लाइसेंस या पंजीकरण अनिवार्य है। नियम सख्त हैं, लेकिन इन्हें लागू कराने वाला अमला जरूरत के हिसाब से बेहद कम है। भोपाल में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सभी 9 स्वीकृत पद भरे हुए हैं, लेकिन ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर संभाग, सागर और नर्मदापुरम समेत अन्य जिलों में अधिकारियों की भारी कमी है। इसके कारण बाजारों में निगरानी का काम प्रभावित हो रहा है। आलम यह है कि हर माह प्रदेशभर से 3000 खाद्य सैंपल जांच के लिए भोपाल लैब भेजे रहे हैं। ऐसे में न तो समय पर रिपोर्ट आ रही है और न ही समय पर कार्रवाई ही हो पा रही है। इससे आम आदमी को सेहतमंद खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की मंशा फेल साबित हो रही है। इसका फायदा मिलावटखोर उठा रहे हैं। इस बार फिर त्योहार नजदीक हैं और मिलावटखोरों इसका फायदा उठाकर चांदी काटेंगे।

11 अगस्त को ही भोपाल में विभाग ने घी के सैंपल लिए थे।

दिसंबर तक 123 मिलेंगे नए अफसर

- एमपीपीएससी के जरिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के 123 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अंतिम चयन सूची भी जारी हो चुकी है। नए अफसरों की सेवाएं विभाग को दिसंबर 2026 तक ही मिलेंगी।
- मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक का कहना है, भोपाल में जितने पद पर उस पर खाद्य अधिकारी तैनात हैं। जहां कमी है, उसके भर्ती हो चुकी है।

राजधानी के बेहद पास बाघों का संघर्ष बढ़ा रहा चिंता, विशेषज्ञ बोले-जंगल में मानवीय दखल कम करें

जंगल में घुसा शहर, नतीजा..एमपी नगर से 18 किमी दूर बाघों में संघर्ष, शावक की मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पहली बार भोपाल के आसपास और एमपी नगर और अरेरा कॉलोनी से महज 18 किलोमीटर दूर समरधा रेंज के पढ़रिया क्षेत्र में दो बाघों के बीच संघर्ष का मामला सामने आया है। एक से डेढ़ साल के बाघ शावक से 8 से 10 साल का वयस्क बाघ भिड़ गया। दोनों में जमकर संघर्ष हुआ और शावक की मौत हो गई।

घटना शनिवार की बताई जा रही है, लेकिन मामला रविवार को सामने आया। शहरी क्षेत्र के पास बाघों के संघर्ष ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। उनका कहना है कि आपसी संघर्ष की बड़ी वजह शहर का अनियोजित विकास ही है। राजधानी के नजदीक वन क्षेत्रों में इंसानी दखल लगातार बढ़ रहा है। वन भूमियों पर कब्जे हो रहे हैं। बड़े-बड़े होटल और रिसॉर्ट का निर्माण हो रहा है। इससे इलाके में शिकार की कमी हो गई है। उनका कहना है कि ये वे क्षेत्र हैं, जो बाघों का प्राकृतिक कॉरिडोर है। वन्य प्राणी विशेषज्ञ बताते हैं कि की माने तो भोपाल के पास के जंगल बाघों के घर हैं। लोगों ने उनके घर में घुसपैठ की है। इसलिए बाघों शहर के करीब नजर आ रहे हैं। यूं कहें तो वे शहर के पास नहीं आए, इंसानों के जंगल में घुस जाने से ऐसा हो रहा है। यदि समय रहते बाघों के घर में घुसपैठ बंद नहीं की गई तो इंसान और बाघों में द्वंद्व भी सामने आएगा। बता दें, शहर के आसपास बाघों के आने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार शहरी क्षेत्र में बाघ नजर आए हैं।

तस्वीर कलियासोत इलाके की है। यहां पिछले साल 11 अगस्त को एक बाघ सड़क के पास आ गया था। यूं तो यह उसका भ्रमण क्षेत्र ही है। लेकिन इंसानी दखल से बाघों की चैन में खलल पड़ रहा है। इसे तब एक साइकिल सवार ने अपने मोबाइल में कैद किया था।

शावक का शव बरामद, सभी अंग सुरक्षित

वन विभाग ने मृत शावक का शव बरामद कर लिया है। शव पर मिले निशान भी बता रहे हैं कि बाघ ने ही हमला किया था। बाघ पर अक्सर बाघ ही हमला करते हैं। वन विभाग की वन्यप्राणी शाखा के एपीसीसीएफ एल कृष्णमूर्ति ने बताया, शावक के सभी अंग है। शिकार जैसी कोई बात नहीं है। शावक का शव जहां मिला, उसके आसपास बाघों के पगमार्क मिले, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि जहां शावक का मूवमेंट था, वहीं पर वयस्क बाघ का मूवमेंट था।

जहां वन्यजीव, वहां भी लोगो ने डाल दिया अपना डेरा

भोपाल शहर चारों ओर से घने जंगल और तीन पहाड़ियों के बीच घिरा है। भोपाल शुरू से बाघ-तेंदुए की मौजूदगी का साक्षी रहा है। भोपाल से वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक कॉरिडोर भी पहले से रहा है। वन सीमा से सटे भोपाल के वाल्मी, शाहपुरा, चंदनपुरा, भदभदा, सूरज नगर, कलियासोत, बैरागढ़ चीचली, रातीबड़, नीलबड़ के क्षेत्रों में बाघों की मौजूदगी रही है। वन्य प्राणी विशेषज्ञों का कहना है कि यह बाघों का भ्रमण क्षेत्र है। इसी कॉरिडोर से वे भोपाल से दूसरे इलाकों तक मूवमेंट करते हैं। लेकिन अब यहां बड़ी संख्या में लोगों ने डेरा डाल दिया है। वन सीमा में बसाहट कर ली और बाघों के प्राकृतिक कॉरिडोर पर अतिक्रमण कर लिया है। इसलिए बाघ शहर के पास दिख रहे हैं।

बाघों का कुनबा बढ़ा, जंगल घट गया

पिछले 10 साल में लगातार भोपाल के नजदीक बाघों का कुनबा बढ़ा है और इस तरह यह देश में किसी राज्य की पहली ऐसी राजधानी बन गई, जिसके नजदीक बाघों का मूवमेंट है। वन्यप्राणी विशेषज्ञ आरके दीक्षित कहते हैं जिस तरह से बाघों की संख्या बढ़ी, उस अनुरूप जंगल का दायरा, हरित क्षेत्र और शिकार की उपलब्धता बढ़नी थी, लेकिन ये तीनों कम होते गए। इंसानी दखल कई गुना बढ़ गया। वर्तमान में बाघों के लिए भोपाल से सटा जंगल महफूज नहीं रहा। यदि वन विभाग और सरकार ने बड़े स्तर पर निर्णय नहीं लिए बाघों के बीच न केवल आपसी संघर्ष तेज होंगे, बल्कि बाघ शहर के अंदर भी दाखिल हो सकते हैं।

भोपाल के जंगल में 45 बाघों की आवाजाही, यह पहले से अधिक

भोपाल सामान्य वन मंडल के कलियासोत, केरवा, समरधा समेत आसपास के वन क्षेत्रों में 40 से 45 बाघों की आवाजाही बनी हुई है। ये पहले की तुलना में कहीं अधिक है। ये डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व (रातापानी) से निकलकर आते हैं और फिर लौट जाते हैं। इतनी बड़ी संख्या में बाघों की आवाजाही की वजह राजधानी के नजदीक आसानी से पालतू मवेशियों की उपलब्धता और रिजर्व में बाघों की बड़ी संख्या बताई जा रही है।

कब-कब दिखा शहर के पास बाघ

- 11 अगस्त 2025 को ही कलियासोत इलाके में बाघ नजर आया था। साइकिल सवार से वह 40 फीट की दूरी पर था।
- अप्रैल में ही एक तेंदुआ भोज यूनिवर्सिटी कैंपस में नजर आया था। उसकी हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।
- अगस्त 2023 में केरवा डैम क्षेत्र स्थित निजी विश्वविद्यालय में बाघिन घुसी थी। कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई थी।
- चंदनपुर के पास निजी विवि के गेट के सामने अप्रैल में बाघ का मूवमेंट मिला था। सड़क किनारे टाइगर के घूमते हुए वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।

बेपरवाह निगम

करोंद में खेलते समय बच्ची के पैर को कुत्ते ने नोंचा, दहशत में लोग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी नगर निगम आवारा कुत्तों से शहर को निजात नहीं दिला पा रहा है। इसी का खामियाजा हाउसिंग बोर्ड कपिला नगर फेज-2 में एक बच्ची को भुगतना पड़ा। खेलते समय बच्ची के पैर को कुत्ते ने नोंच खाया। कुछ दिन पहले भी वार्ड-78 के करोंद स्थित रसूलिया रोड पर कुत्ते ने एक बच्ची पर हमला कर हाथ का मांस नोंच लिया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से इलाके के रहवासी दहशत में हैं। उनका कहना है कि कुत्ते बच्चों को आते-जाते काट रहे हैं।

तीन दिनी कार्यक्रम

एमसीयू में 'अभ्युदय' कल से, एक्टर पीयूष मिश्रा होंगे शामिल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में तीन दिवसीय सत्रारंभ 'अभ्युदय 2026' का आगाज मंगलवार से हो रहा है। पहले दिन सुबह 10:30 बजे ख्यात अभिनेता, लेखक, गीतकार- गायक पीयूष मिश्रा विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएम डॉ. मोहन यादव होंगे। 'अभ्युदय' की थीम 'मैं और मेरा विश्वविद्यालय' है। इस बार विवि से 35 साल में पढ़कर निकले 50 पूर्व विद्यार्थी पहली बार एक साथ सत्रारंभ में शामिल होंगे।

श्रीराम मंदिर में चौरसिया समाज ने मनाया नागपंचमी महोत्सव

चौरसिया समाज ने श्रीराम मंदिर चौक बाजार में आज नाग पंचमी महोत्सव मनाया। इस मौके पर भंडारे का आयोजन भी किया। इसमें नितेश चौरसिया राजेश चौरसिया, प्रेम संतोष, नितिन दिलीप, राजेंद्र चंदूलाल, रामबाबू आदि शामिल हुए।

मामला आया सामने तो नगर निगम ने सील किया पूरा परिसर

एआई से फर्जी बिल्डिंग परमिशन के आधार पर ईदगाह हिल्स में बन रही थी बहुमंजिला इमारत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस (एआई) सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर नगर निगम से जारी अनुमतियों की कॉपी तैयार की जा रही है। शहर के अनेक हिस्सों में चल रहे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में इनके इस्तेमाल होने की पुष्टि हुई है। निगम ने ऐसे दो मामले सामने आने के बाद पुलिस जांच का आवेदन भेज दिया है। ईदगाह हिल्स में भूमि स्वामी ज्योति रमेश और पुरुषोत्तम कुमार ने 5 हजार वर्ग फीट पर बहुमंजिला इमारत बनाने के लिए नगर निगम के चीफ सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार के नाम से फर्जी अनुमति पत्र जारी कर लिया। कटारा हिल्स में भूमि स्वामी विवेक साहू और अन्य ने ऐसी ही फर्जी अनुमति तैयार कर कंस्ट्रक्शन चालू कर दिया। मामला पकड़ में आने के बाद नगर निगम ने पूरा परिसर सील कर दिया है और थाने में आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। टीएनसीपी और डीओ के एआई से बने फर्जी पत्र से लोग परेशान हो चुके हैं।

परमिशन की सत्यता की जांच कर लें

नगर निगम के चीफ सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार का कहना है कि किसी भी बिल्डिंग परमिशन के लिए निगम से अनुमति जरूरी है। उसकी वैधता का प्रमाणीकरण भी नगर निगम के अधिकृत माध्यम से अनिवार्य रूप से कर लें। संदिग्ध बिल्डिंग परमिशन लेटर, डिजिटल हस्ताक्षर या नगर निगम के नाम/लोगो के दुरुपयोग की जानकारी मिलने पर सूचना नगर निगम को दें। किसी भी फर्जी दस्तावेज के आधार पर भवन निर्माण, क्रय-विक्रय या अन्य व्यवहार नहीं करें।

डीजे की धुन पर बही देशभक्ति की बयार

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की तिरंगा यात्रा में वीरों को नमन

संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी डॉ. श्रीकांत अवस्थी, राकेश चतुर्वेदी, अरुण द्विवेदी सहित गणमान्य नागरिक भी यात्रा में शामिल हुए।

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोलार रोड पर राष्ट्रीय संस्था मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन ने उपनगर कोलार में स्वतंत्रता दिवस पर जनाधिकारों के प्रति जागरूकता लाने, शहीदों को नमन और सैनिकों की वीरता का सम्मान करने के लिए ईनायतपुर से चुनाभट्ठी तिराहा तिरंगा यात्रा निकाली गई। लगातार 10 साल से निकाली जा रही इस यात्रा में सैकड़ों युवा और संगठन के कार्यकर्ता शामिल हुए। युवाओं ने वाहनों पर तिरंगा लगाया और देशभक्ति के जज्बे के साथ डीजे की धुन पर नाचते निकले। आयोजक रवि पाराशर ने कहा देश की रक्षा करने वाले सैनिकों की शौर्य और वीरता को हम नमन करते हैं।

मेट्रो एंकर | काउंसलिंग के बीच नया फीस स्ट्रक्चर जारी, राहत-सरकारी कॉलेजों में कोई बदलाव नहीं

एमबीबीएस अब और महंगी, निजी कॉलेजों की फीस 10% बढ़ी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में नीट-यूजी 2026-27 की काउंसलिंग चल रही है। इस बीच डायरेक्टर ऑफ मेडिकल काउंसिल (डीएमई) ने मेडिकल और डेंटल शिक्षा का नया फीस स्ट्रक्चर लागू कर दिया है। प्रदेश के 20 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। लेकिन निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई पिछले साल से 10% तक महंगी हो गई है। बीडीएस के प्राइवेट पाठ्यक्रमों में 8% तक की वृद्धि हुई है। एलएन मेडिकल कॉलेज भोपाल में 53.99 लाख और पीपुल्स मेडिकल कॉलेज, भोपाल में विद्यार्थियों को अब 53.33 लाख रुपए फीस देनी होगी।

एआई इमेज

NRI कोटे की फीस भी बढ़ी

एनआरआई कोटे से प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए फीस में भारी उछाल आया है। इस साल इस कोटे की कुल फीस 33.43 लाख से बढ़कर 60.92 लाख तक पहुंच गई है। यह पिछले सत्र में 30 लाख से 55 लाख के बीच थी।

निजी कॉलेजों में 1.58 लाख तक की वृद्धि

प्रदेश के सभी 20 सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस के लिए सालाना 1.14 लाख फीस तय किया गया है (जिसमें शिक्षण और सुरक्षा फीस शामिल है)। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज इंदौर में सुरक्षा फीस कम होने से सालाना फीस 1.05 लाख ही रहेगी। सरकारी कॉलेज में पिछले तीन सालों से यही फीस लागू है। प्राइवेट संस्थानों में टैक्स बढ़ाया गया है। भोपाल के एलएन मेडिकल कॉलेज में फीस 1.58 लाख बढ़कर 18.08 लाख प्रति साल हो गई है। वहीं, भोपाल के आरके मेडिकल कॉलेज में सबसे कम 81,000 की वृद्धि के साथ फीस 11.31 लाख सालाना हो गई है।

भोपाल के एलएन-पीपुल्स दूसरे-तीसरे नंबर पर

श्री अरबिंदो मेडिकल कॉलेज, इंदौर में एनआरआई कोटे की फीस 5.5 लाख बढ़ी है। अब यह फीस 60,92,700 हो गई है। यह कॉलेज फीस के मामले में नंबर-1 पर है। दूसरे और तीसरे नंबर पर भोपाल के दो मेडिकल कॉलेज हैं। एलएन मेडिकल कॉलेज भोपाल की फीस 53.99 लाख और पीपुल्स मेडिकल कॉलेज, भोपाल की फीस 53.33 लाख है।

बीडीएस का फीस ढांचा और सीटें : डेंटल (बीडीएस) के मामले में इंदौर स्थित शासकीय डेंटल यूनिवर्सिटी प्रदेश का एकमात्र सरकारी डेंटल कॉलेज है। यहां फीस पिछले साल की भांति 1.14 लाख रुपए रखी गई है। निजी बीडीएस कॉलेज में 10,000 से 15,000 की वृद्धि के साथ अब फीस 1.98 लाख से बढ़कर 2.85 लाख तक हो गई है।

एमबीबीएस की कुल 5200 सीटें

प्रदेश में इस सत्र में एमबीबीएस की कुल 5,200 सीटें हैं। यह पिछले सत्र (5,050) से 150 अधिक हैं। यह वृद्धि खरगोन, मंदसौर और रतलाम के तीन नए सरकारी मेडिकल कॉलेज (50-50 सीटें) और सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (50 अतिरिक्त सीटें) के कारण हुई है।

वैश्विक मंच पर पहचान बनाने की तैयारी... राज्य सरकार के प्रयास और आधुनिक तकनीक के साथ बदल रही है उद्यानिकी और पुष्प उत्पादन क्षेत्र की तस्वीर

स्वाद और गुणवत्ता के दम पर एमपी की 12 उद्यानिकी फसलों को मिला जीआई टैग

लहसुन, संतरा, टमाटर व धनिया उत्पादन में हम पूरे देश में प्रथम

भोपाल

मध्यप्रदेश ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक उद्यानिकी और पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में देश में एक विशिष्ट और बेजोड़ पहचान स्थापित की है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों और नीतिगत प्रोत्साहनों के चलते पिछले दो वर्षों में उद्यानिकी का रकबा 25 लाख हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 29 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस अभूतपूर्व छलांग के साथ ही कुल उद्यानिकी उत्पादन भी 389 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 438 लाख मीट्रिक टन से अधिक दर्ज किया गया है। इस सफलता को वैश्विक स्तर पर तब बड़ी मान्यता मिली, जब प्रदेश की 12 प्रमुख उद्यानिकी फसलों को एक साथ प्रतिष्ठित जीआई टैग प्राप्त हुआ।

एमपी अभी संतरा, टमाटर, धनिया और लहसुन के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। इसके अतिरिक्त, सीताफल, बंदगोभी, प्याज और हरी मटर के उत्पादन में दूसरे व नींबू, पत्तागोभी, लाल मिर्च एवं खरबूजा के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

फ्लोरीकल्चर में भी मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर

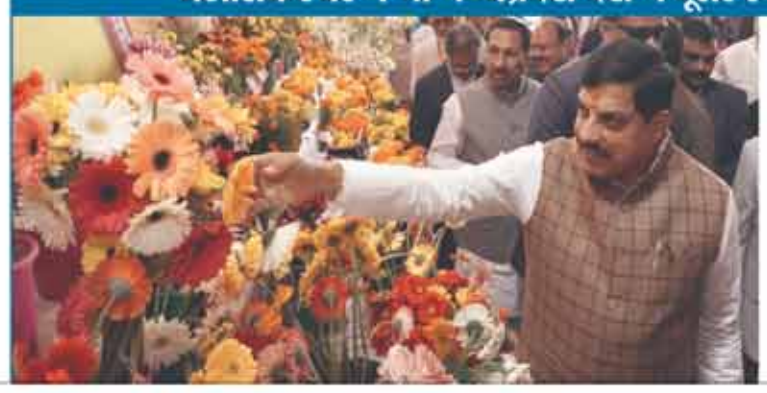

फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) में भी राज्य ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया है, जहां करीब 45 हजार हेक्टेयर भूमि पर गुलाब, जरबेरा, गेंदा, सेवंती, रजनीगंधा और ग्लेडियोलस जैसे व्यावसायिक फूलों की खेती की जा रही है। इंदौर, रतलाम, उज्जैन, सतना, छिंदवाड़ा, गुना और जबलपुर पुष्प उत्पादन के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं।

अब हॉर्टीकल्चर का रकबा भी 30 लाख हेक्टयर पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

सरकार ने आगामी वर्षों में उद्यानिकी के रकबे को 30 लाख हेक्टेयर और कुल उत्पादन को 490 लाख मीट्रिक टन तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए इजरायल के तकनीकी सहयोग से फूलों की खेती को बढ़ावा देने हेतु एक अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया जा रहा है। साथ ही, फलों और सब्जियों के स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन के लिए प्रदेश में लगभग 10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जा रही है, जिससे 1 लाख से अधिक किसानों, युवाओं और उद्यमियों को कृषि उद्यमिता का वैज्ञानिक प्रशिक्षण देकर लाभान्वित किया जाएगा।

अन्नदाता की मेहनत को सम्मान... केंद्र सरकार के तय लक्ष्य से ज्यादा गेहूं खरीद कर बनाया नया रिकॉर्ड

बोनस के साथ इस बार 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद, यह बीते साल से 33% ज्यादा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दताना के नागझिरी स्थित अडानी एग्रो साइलो उपार्जन केंद्र के औचक निरीक्षण में मंडी में लाए गेहूं का अवलोकन किया।

भोपाल

मध्यप्रदेश के परिश्रमी किसानों और सरकार की सुदृढ़ नीतियों के साझा प्रयासों से राज्य ने गेहूं खरीदी के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। खरीद सत्र के दौरान राज्य सरकार ने 40 प्रति क्विंटल बोनस के साथ 2,665 प्रति क्विंटल की प्रभावी दर से कुल 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन किया है। यह बीते वर्ष के लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से करीब 33.33 फीसदी ज्यादा है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने इस बार मध्यप्रदेश के लिए 100 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य तय किया था। इसके मुकाबले राज्य ने 104 लाख मीट्रिक टन की रिकॉर्ड खरीदी कर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा भंडार में अपना ऐतिहासिक योगदान दिया है। सरकार ने आगामी समय में गेहूं की प्रति क्विंटल कीमत को 2700 रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

किसान हित में तीन महत्वूपर्ण फैसले... जिनसे बना नया रिकॉर्ड

1 मौसम की बेरुखी से प्रभावित किसानों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए सरकार ने 50% तक खराब चमक) वाले गेहूं की भी पूरी कीमत पर खरीदी सुनिश्चित की।

2 इस वर्ष कुल 3,627 उपार्जन केंद्र बनाए गए थे, जहां किसानों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई।

3 गेहूं खरीद से जुड़ी हर जानकारी के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए।

लघु-सीमांत किसानों को प्राथमिकता, स्लॉट बुकिंग में दिखी संवेदनशीलता

प्रदेश के 13 लाख 46 हजार से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस का सीधा लाभ मिला है। इसमें छोटे, लघु एवं सीमांत किसानों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कुल 34 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन का विशेष अवसर दिया गया। किसानों की व्यावहारिक सहूलियत को ध्यान में रखते हुए स्लॉट बुकिंग की तारीखों को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई तक किया गया था। साथ ही, शनिवार के दिन भी स्लॉट बुकिंग व उपार्जन जारी रखा गया।

धान उत्पादकों को ₹ 22,202 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

धान उपार्जन में भी राज्य ने नए आयाम छुए हैं। पिछले दो वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश के 14 लाख 31 हजार से अधिक धान उत्पादक किसानों से 95 लाख 27 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान का सफल उपार्जन किया गया है, जिसके एवज में 22,202 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। इसके अतिरिक्त, 'मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना' के तहत प्रदेश के समस्त धान उत्पादकों को 4,000 रुपए प्रति हेक्टेयर के मान से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है।

यहां भी हमारा दबदबा

- **मक्का उत्पादन में प्रथम:** अनाज श्रेणियों में बेहतर प्रबंधन और उन्नत बीजों के दम पर मध्यप्रदेश देश में मक्का उत्पादन में प्रथम स्थान पर बना हुआ है।
- **जैविक कपास:** पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के सफल क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश जैविक कपास के उत्पादन में भी देश में प्रथम स्थान पर है।

रानी दुर्गावती प्रोत्साहन... वैश्विक बाजारों तक पहुंच आसान

हमारे श्रीअन्न को नया जीवन, किसानों को 1000 रु. प्रति क्विंटल का बोनस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल के कुकरू में खेत में हल के साथ बुवाई की।

भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों में रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक काम कर रही है। इसमें पारंपरिक मोटे अनाजों (मिलेट्स) को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा रहा है। इससे जनजातीय क्षेत्रों के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। राज्य सरकार ने कोदो और कुटकी के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावा 1000 रुपये प्रति क्विंटल का सीधा नकद बोनस देने का क्रांतिकारी फैसला लागू किया है। खरीफ सीजन के दौरान रिकॉर्ड 15,000 मीट्रिक टन कोदो-कुटकी की खरीदी की गई है। सरकार ने बाजार में कुटकी का 3500 और कोदो का 2500 रुपये प्रति क्विंटल की रिकॉर्ड दर पर उपार्जन पक्का किया है। योजना के पहले चरण में प्रदेश के 15 प्रमुख श्रीअन्न उत्पादक जिलों के लगभग 4,000 किसानों से 3,000 मीट्रिक टन से अधिक कोदो-कुटकी की विशेष खरीदी पूरी कर ली गई है। यह वजह है कि पारंपरिक मोटे अनाजों को सुपरफूड बनाने के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा मप्र को बेस्ट इमर्जिंग स्टेट इन मिलेट प्रमोशन का अवार्ड दिया गया है

3,941 किसानों के खातों में ₹2.84 करोड़ का बोनस ट्रांसफर

योजना के तहत त्वरित तौर पर 3,941 श्रीअन्न उत्पादक किसानों के बैंक खातों में 2 करोड़ 84 लाख रुपये की राशि सीधे बोनस के रूप में भेजी जा चुकी है। श्रीअन्न को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों के तहत ही प्रदेश की 'सिताही कुटकी', 'नागदमन कुटकी', 'बैगानी अरहर' और 'छत्रिय धान' को प्रतिष्ठित जीआई टैग प्राप्त हुआ है।

आगामी वर्ष के लिए 40 हजार मीट्रिक टन का नया लक्ष्य

इस सफलता से उत्साहित होकर राज्य सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कोदो-कुटकी उपार्जन का लक्ष्य बढ़ाकर 40 हजार मीट्रिक टन तय किया है। सरकार के इस बड़े कदम से प्रदेश के सुदूर व जनजातीय क्षेत्रों के छोटे और सीमांत किसानों की आय में भारी वृद्धि होना पूरी तरह तय है।

मुख्यमंत्री किसान उद्यमी योजना...

एग्री-बिजनेस के लिए युवाओं को मिलेगी ₹2 करोड़ तक वित्तीय मदद

योजना का मुख्य उद्देश्य युवा जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनाना है

भोपाल

मध्यप्रदेश के ग्रामीण युवाओं और किसानों के बच्चों को कृषि क्षेत्र में ही बेहतरीन स्वरोजगार तथा नए स्टार्टअप के अवसर देने के लिए 'मुख्यमंत्री किसान उद्यमी योजना' को एक नए और प्रभावी रूप में धरातल पर उतारा गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना और युवाओं को 'जॉब सीकर' (नौकरी तलाशने वाले) के बजाय 'जॉब क्रिएटर' (रोजगार देने वाला) बनाना है। योजना के तहत पात्र युवाओं को कृषि आधारित उद्योग, एग्री-बिजनेस, कोल्ड स्टोरेज, ग्रेडिंग-पैकिंग सेंटर और बड़ी खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) इकाइयां स्थापित करने के लिए ₹2 करोड़ तक की भारी परियोजना वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा परियोजना लागत पर आकर्षक ऋण सब्सिडी और ब्याज अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे शुरुआती लागत का आर्थिक बोझ बेहद कम हो जाता है। इस योजना के क्रियान्वयन से न केवल स्थानीय कृषि उपज का वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) हो रहा है, बल्कि सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्थानीय युवाओं के लिए नियमित और सम्मानजनक रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं।

फसल बीमा में किसानों को राहत; बीमित राशि बढ़ी

भोपाल

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों हेतु प्रति हेक्टेयर बीमित राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इस बार धान में 4100, मक्का में 2350 और सोयाबीन में 3910 रुपये प्रति हेक्टेयर तक बीमित राशि में इजाफा हुआ है। यदि फसल को नुकसान होता है, तो धान में 10%, मक्का में 7% और सोयाबीन में 5% तक क्लेम राशि बढ़कर मिलने की राह आसान हुई है। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई अधिसूचित है।

उदाहरण के तौर पर, शिवपुरी में धान की बीमित राशि 40,700 से बढ़कर 44,800 रुपये, छतरपुर में सोयाबीन की बीमित राशि 39,590 से बढ़कर 43,500 रुपये और बड़वानी में मक्का की राशि 31,760 से बढ़कर 34,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की गई है। इससे अनुपातिक रूप से मिलने वाली क्लेम राशि में किसानों को सीधा लाभ प्राप्त होगा।

आयातित तुअर पर मंडी टैक्स माफ, तिलहन पर भी सरकार का फोकस

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता के मिशन पर मध्यप्रदेश, खर्च होंगे 123 करोड़ रुपए

भोपाल। देश को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य में अहम योगदान देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक के लिए महत्वाकांक्षी दाल मिशन को वित्तीय मंजूरी दे दी है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य तुअर, उड़द और मसूर की खेती का रकबा बढ़ाना है। किसानों को जलवायु अनुकूल उन्नत बीज दिए जाएंगे। साथ ही, स्टोरेज के आधुनिक इंतजाम किए जाएंगे। इस योजना के लिए ₹123.82 करोड़ की कार्ययोजना को वित्तीय स्वीकृति मिली है।

बता दें कि सरकार ने आयातित तुअर दाल पर मंडी टैक्स पूरी तरह माफ कर दिया है। उड़द, चना और मसूर की शत-प्रतिशत खरीदी की जा रही है। रबी सीजन में 91 हजार से अधिक किसानों से 2.71 लाख मीट्रिक टन चना खरीदा गया है। वहीं, 76 हजार से अधिक किसानों से 1.85 लाख मीट्रिक टन मसूर का सफल उपार्जन हुआ है। इसके साथ ही उड़द की खरीदी पर ₹600 प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी दिया जा रहा है। इसके चलते, मध्यप्रदेश 20.4% हिस्सेदारी के साथ देश में सर्वाधिक दाल उत्पादन करने वाला अग्रणी राज्य बना हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर के मल्हारगढ़ में सिंगल क्लिक से सोयाबीन भावांतर राशि का अंतरण किया।

1.50 लाख: भावांतर योजना से सोयाबीन और सरसों के किसानों को संबल

बाजार में फसलों के दामों के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए भावांतर भुगतान योजना लागू है। इसके तहत 7.10 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों के बैंक खातों में ₹1,475 करोड़ ट्रांसफर किए गए हैं। अब सरसों और धान को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया गया है। योजना के तहत अब तक 1.50 लाख से अधिक सरसों उत्पादक किसान पंजीयन करा चुके हैं।

गन्ना किसानों के लिए लाभकारी मूल्य और नई शुगर फैक्ट्री की सौगात

भोपाल। केंद्र सरकार ने गन्ना उत्पादकों के हित में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला लिया है। सरकार ने गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 355 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इस निर्णय से मध्यप्रदेश के गन्ना किसानों को सीधा और बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश के कोलारस में एक नई आधुनिक शुगर फैक्ट्री की स्थापना की जा रही है। इस शुगर मिल के शुरू होने के बाद क्षेत्र के गन्ना उत्पादकों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें स्थानीय स्तर पर ही एक बड़ा, व्यवस्थित और सुविधाजनक बाजार उपलब्ध होगा, जिससे परिवहन की कठिनाइयों में कमी आएगी और विपणन की प्रक्रिया भी अधिक सुगम बन सकेगी।

नवाचार से महकी खेती... पारंपरिक खेती की रूढ़ियों को तोड़कर धार जिले के दो किसानों ने पेश की कामयाबी की नई मिसाल

धार के सुखदेव ने शेडनेट हाउस में फसल उगाकर 3 महीने में कमाया 3 लाख मुनाफा, ड्रिप तकनीक से सिंचाई कर नरेंद्र को 2 लाख की लागत पर 6 लाख का फायदा

संरक्षित खेती अपनाकर सरकारी योजनाओं के सहारे मिली सफलता

भोपाल

कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हो और सोच आधुनिक, तो मिट्टी भी सोना उगलने लगती है। धार जिले के दो प्रगतिशील किसानों ने अपनी मेहनत और आधुनिक तकनीक के संगम से इस बात को सच कर दिखाया है। इन्होंने खेती को केवल आजीविका का साधन नहीं माना, बल्कि नए दौर की तकनीकों को अपनाकर मुनाफे का रास्ता तैयार किया है। इनमें से एक हैं सुखदेव और दूसरे हैं नरेंद्र...जिन्होंने पुरातन तरीके से चली आ रही खेती की परंपराओं को तोड़ा ही नहीं, बल्कि अपने हौसले से लाखों किसानों को नया रास्ता भी दिखाया है।

तकनीक का फायदा: संरक्षित खेती और ड्रिप इरीगेशन से पारंपरिक की तुलना में 3 से 4 गुना मुनाफा

सुखदेव की मेहनत ने लिखी कामयाबी की नई कहानी

धार जिले के निसरपुर विकासखंड के ग्राम निम्बोल निवासी सुखदेव (पिता टीकम पाटीदार) के पास 1.565 हेक्टेयर कृषि भूमि है। वे बरसों से पारंपरिक खेती कर रहे थे, जहां प्रति एकड़ बमुश्किल 50 हजार रुपये का लाभ मिल पाता था। सुखदेव ने उद्यानिकी विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना का लाभ उठाया और अपने खेत के 4000 वर्गमीटर हिस्से में एक आधुनिक शेडनेट हाउस का निर्माण करवाया। इस काम के लिए विभाग की तरफ से उन्हें 1.42 लाख रुपये का शासकीय अनुदान मिला। सुखदेव

ने इसमें खीरे की व्यावसायिक किस्म की बुवाई की। बीज, खाद, दवाई और मजदूरी को मिलाकर उनका कुल खर्च 2 लाख रुपये आया। लेकिन जब 3 महीने बाद फसल तैयार हुई, तो सुखदेव ने तमाम खर्च काटकर मात्र 3 महीने के भीतर 3 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया।

पानी की हर बूंद के सही उपयोग से बदली तकदीर

कामयाबी की ऐसी ही एक खूबसूरत कहानी निसरपुर के ही एक और कृषक नरेंद्र (पिता पुरजी पाटीदार) ने लिखी है। नरेंद्र के पास 2.000 हेक्टेयर का रकबा है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत अपने पूरे खेत में आधुनिक ड्रिप इरीगेशन (टपक सिंचाई) प्रणाली को स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने तरबूज की उन्नत खेती की शुरुआत की। नरेंद्र ने फसल में 2 लाख रुपये की लागत लगाई। ड्रिप तकनीक के साथ मल्चिंग शीट का उपयोग करने से खेत में पानी की एक-एक बूंद का सही उपयोग हुआ,

जिससे खाद, पानी, समय और मजदूरी की भारी बचत हुई। जब फसल बाजार में पहुंची, तो नरेंद्र को 2 लाख की लागत के मुकाबले 6 लाख रुपये की शुद्ध बचत प्राप्त हुई। नरेंद्र की यह सफलता साबित करती है कि अगर पानी का सही प्रबंधन हो तो कम लागत में भी रिकॉर्ड मुनाफा कमाया जा सकता है।

कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर और फसल बीमा में एमपी को मिले राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल | मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र के बेहतर बुनियादी ढांचे और योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवाया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सर्वश्रेष्ठ और विवादमुक्त क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश की एस.एल.बी.सी. को देश में प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है। इसके साथ ही एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के सर्वश्रेष्ठ और देश में सर्वाधिक उपयोग के लिए मध्यप्रदेश को लगातार तीन वर्षों तक राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार में भी राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित रजत पुरस्कार प्राप्त हुआ है। D-11081/26

कानून, न्याय और गरिमा

कहीं भी होने वाला अन्याय, हर जगह के न्याय के लिए खतरा है, मार्टिन लूथर किंग जेआर का यह प्रसिद्ध वाक्य, स्थान सापेक्ष न हो कर काल, समाज सापेक्ष भी है। यह अपनी सार्थकता तब और प्रमाणित करता है जब कानूनों के समान संक्षरण की आवश्यकता और पीड़ित के गरिमापूर्ण जीवन से हो। हमारी न्यायिक प्रक्रिया कहीं भी होने वाले अन्याय की चुनौतियों का समाना करने के लिये अपना संग्रह बढ़ाते हुये हमारे विधिशास्त्र को संपन्न कर रही है। विधिशास्त्र को यदि अकादमिक रूप से एक अन्य प्रकार से विभाजित करें तो यह जेंडर ज्यूरिसप्रूडेंस के रूप में हो सकता है। कानूनों को भी जेंडर न्यूट्रल और जेंडर स्पेसिफिक के रूप में विभाजित किया जा सकता है। जेंडर ज्यूरिसप्रूडेंस का सर्वाधिक प्रिय विषय जेंडर डिसक्रिमिनेशन है। संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधान और उनकी व्याख्या? डिसक्रिमिनेशन के उन्मूलन के लिए प्रावधानित है। जहां भी कानून किसी महिला के पक्ष में होता है, वह जेंडर स्पेसिफिक होकर उसके अधिकार तथा अन्य के कर्तव्यो का निर्धारण करता है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अनुसार कोई पुरूष पुलिस अधिकारी किसी महिला को गिरद्भतार नहीं कर सकता है और असाधारण परिस्थितियों में मजिस्ट्रेट के आदेश के सिवाय किसी महिला को सूर्योदय से सूर्यास्त के समय अवधि के अलावा गिरद्भतार नहीं किया जा सकता है। गिरद्भतार महिला का चिकित्सीय परीक्षण केवल महिला चिकित्सा अधिकारी के द्वारा ही किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद लागू भारतीय नागरिक संहिता 2023 में जारता के अपराध हटा दिया गया है, जो कि भारतीय दंड संहिता के अधीन सैकड़ों वर्षों तक अपराध के रूप में बना रहा। आज से 60 साल पहले पंजाब सिंह के निर्णय में उच्चतम न्यायालय के द्वारा यह अवधारित किया जा चुका है कि किसी महिला की लज्जा अर्थात मोडिस्टी उसके जेंडर का सार या अधिकार है। बिना इस विषय पर विचार किये कि उसमें उसकी उम्र क्या थी अथवा तत्समय उसने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त की थी अथवा नहीं। न्यायिक निर्णयों से ही अब माइनर पर माता-पिता दोनों का समान प्राकृतिक अधिकार माना गया तथा गर्भपात कराने का अधिकार जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के अधीन माना गया है। उत्तराधिकार संबंधित कानून के सहदायिक संपत्ति पर वर्ष 2005 के संशोधनों और उस पर न्यायिक निर्णय के पश्चात हिंदू महिला को पिता की संपत्ति पर अधिकार प्राप्त हो सका। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के पूरे भारत में लागू होने से मुस्लिम पति द्वारा अपनी पत्नी को बोले या लिखे गये शब्दों द्वारा तलाक की घोषणा को अवैध घोषित किया गया और उसे संज्ञेय अपराध बनाया गया तथा ऐसे तलाक को शून्य भी बनाया गया। इसी अनुक्रम में पिछले एक माह के भीतर न्याय प्रशासन के क्षेत्र में दो अन्य महत्वपूर्ण प्रक्रियाए हुईं। माननीय उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने एक मामले की सुनवाई के दौरान आवश्यकता समझते हुये स्वतः स्फूर्त आपराधिक याचिका में आदेश पारित करते हुये राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी भोपाल को एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया था, जिस समिति को लैंगिक अपराधों के संदर्भ में न्यायाधीशों एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में संवेदना और सहानभूति की अंतर्दृष्टि के संबंध में दिशा निर्देश बनाने के संबंध में कहा गया। एक व्यापक विचार विमर्ष और संवादों के उपरांत देश की सम्मानित संस्था राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी भोपाल के द्वारा गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे माननीय उच्च्तम न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया।

मीडिया और न्याय पालिका पर आंसू बहाने से पहले आईना देखने की भी जरुरत है

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने पिछले दिनों प्रेम भाटिया मेमोरियल लेक्चर में: 'लोकतंत्र के दो सबसे मजबूत स्तंभ प्रेस और न्यायपालिका दोनों हमें क्यों निराश कर चुके हैं जैसे विषय पर कई गंभीर सवाल उठाए। कपिल सिबल कांग्रेस पार्टी का फायदा उठाकर सांसद और कानून , मानव संसाधन (शिक्षा) , संचार , आई टी के साथ ' अर्थ साइंस ' जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के केंद्रीय मंत्री रहे हैं। ' जमीनी साइंस ' गड़बड़ होने से दिल्ली में पहले कभी सुषमा स्वराज और फिर डॉक्टर हर्षवर्धन से चुनाव हार गए । लेकिन कानूनवेत्ता होने से कानून और राजनीति के दांव पेंच के जरिये कांग्रेस ही नहीं लालू यादव , झारखण्ड मुक्ति मोर्चा , समाजवादी पार्टी आदि के समर्थन से राज्य सभा के सदस्य बने हुए हैं। वकील होने के कारण भ्र्ष्टाचार या और कोई गंभीर अपराध होने पर नरसिंहा राव से लेकर लालू यादव सहित नेताओं के लिए अपने नाम और काम से अदालतों को प्रभावित करते रहे हैं। मीडिया के लिए भी उन्होंने एक न्यूज़ चैनल शुरू किया या करवाया , लेकिन पता नहीं किस दबाव में कुछ ही महीनों में सबको निकाल बंद कर दिया। इस दृष्टि से उन्हें राजनीतिक ताकत , मीडिया और न्याय पालिका पर आधिकारिक बोलने का हक़ है।

सिब्बल साहब ने इस भाषण में कहा कि ' प्रेस का मुख्य काम सत्ता से कड़े सवाल पूछना और उसे जवाबदेह बनाना है। लेकिन आज मीडिया का एक बड़ा हिस्सा अपनी इस जिम्मेदारी से पीछे हट चुका है। मीडिया घरानों के व्यावसायिक हित और सरकारी विज्ञापनों पर निर्भरता ने उनकी स्वतंत्रता को प्रभावित किया है। जब वित्तीय लाभ मुख्य उद्देश्य बन जाता है, तो निष्पक्ष पत्रकारिता की बलि चढ़ जाती है। इसी तरह न्यायपालिका आज इस संस्था पर भी जनता का भरोसा कम हो रहा है।' उन्होंने इन दोनों संस्थाओं के पतन के पीछे आपस में जुड़े कारकों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि ' पद, प्रतिष्ठा या सुरक्षा के प्रलोभन में आकर लोग अपने पेशेवर सिद्धांतों से समझौता कर लेते हैं। ' मेरे जैसे पत्रकार इंदिरा गांधी , राजीव गांधी , नरसिंहा राव , मनमोहन सिंह के सत्ता काल से सत्ता , न्याय व्यवस्था , मीडिया और फिर सिब्बल साहब के उतार चढाव को लगभग तीन दशक से अधिक समय से देखते रहे हैं। इसलिए उनकी भाषण कला की तारीफ़ के साथ स्वतंत्रता के अधिकार का उपयोग करते हुए यह सवाल भी उठाना चाहेंगे कि पहले भी सत्ता से मीडिया और न्याय पालिका पर दबाव के ऐतिहासिक तथ्यों की फाइलों को कैसे दबा या भुला सकते हैं ?

इन दिनों जस्टिस यशवंत वर्मा के बंगले में लाखों नोटों की बोरियों के जलने के गंभीर आरोपों के सही ठहराए जाने के बाद भी उनको हटाने का मुद्दा चर्चा में है। इसलिए ध्यान आता है कि भारतीय न्यायपालिका की जवाबदेही के इतिहास में जस्टिस वी. रामास्वामी का मामला एक ऐसा अध्याय है, जिसमें न्यायाधीश पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप साबित होने के बावजूद संसद उन्हें पद से नहीं हटा सकी।रामास्वामी पर सरकारी धन और सरकारी सुविधाओं के कथित दुरुपयोग से जुड़े 14 आरोपों की जांच हुई थी। तीन सदस्यीय जांच समिति ने अधिकांश गंभीर आरोपों को सिद्ध माना। इस भरष्ट जज के बचाव में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की लगभग छह घंटे की कानूनी दलील, कांग्रेस सांसदों का मतदान से अलग रहना और तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव की राजनीतिक भूमिका आज भी संसद , न्याय पालिका और मीडिया के पुराने पन्नों में दर्ज है। संसद की प्रेस गैलरी में बैठकर 1993 में मैंने भी जज को बचाने के लिए उनकी दलीलें सुनी थी। कपिल सिब्बल के

राजनीतिक जीवन की शुरुआत तभी हुई थी।

रामास्वामी की संसद में रक्षा के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव ने सिब्बल को कांग्रेस का टिकट दिया।1996 का लोकसभा चुनाव सिब्बल के राजनीतिक जीवन का पहला बड़ा चुनाव था। उन्हें कांग्रेस ने दक्षिण दिल्ली से उम्मीदवार बनाया। उनके सामने भाजपा की तेजतर्रार नेता सुषमा स्वराज थीं।सिब्बल चुनाव हार गए। लेकिन इस हार का अर्थ यह नहीं था कि उनका राजनीतिक करियर समाप्त हो गया। इसके उलट, कांग्रेस ने उन्हें राजनीतिक व्यवस्था में बनाए रखा। दो वर्ष बाद सिब्बल को संसद में प्रवेश का दूसरा रास्ता मिला।1997 में सिब्बल ने तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का चारा घोटाले में बचाव किया और अगले वर्ष लालू प्रसाद ने बिहार से राज्यसभा के लिए सिब्बल की उम्मीदवारी का समर्थन किया। उसी रिपोर्ट के अनुसार लालू ने कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी को भी सिब्बल का समर्थन करने के लिए राजी किया। 8 जुलाई 1998 को वे बिहार से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य बन गए। राज्यसभा पहुंचने के बाद भी सिब्बल लालू का अदालत में और संसद में बचाव करते रहे। उन्होंने राज्यसभा में भी लालू के खिलाफ आरोपों को निराधार बताया। देर से सही मीडिया की रिपोर्ट्स और प्रमाणों से अदालतों में भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध होने से लालू यादव को न केवल जेल जाना पड़ा , बल्कि सांसदी भी चली गई।

1993 के बाद सिब्बल केवल रामास्वामी मामले में चर्चित वकील नहीं रहे। बाद में वे पी.वी. नरसिंह राव के कानूनी बचाव दल में भी शामिल हुए। झारखंड मुक्ति मोर्चा सांसद रिश्वत कांड में आरोप था कि 1993 में नरसिंह राव सरकार को बचाने के लिए कुछ सांसदों को कथित रूप से रिश्वत दी गई थी। मामला अंततः सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ तक गया। उपलब्ध कानूनी स्रोत में पी.पी. राव, डी.डी. ठाकुर और कपिल सिब्बल को अपीलकर्ताओं के वकीलों में दर्ज किया गया है। वैसे इस मामले में में उनके प्रमुख वकील के रूप में आर.के. आनंद का नाम है। ढ्ढआर.के. आनंद बाद में 2000 में झामुमो के समर्थन से राज्यसभा पहुंचे। यही नहीं कपिल सिब्बल ने नरसिंह राव और चंद्रास्वामी दोनों का बचाव किया था।यह लखूभाई पाठक पर धोखाधड़ी का प्रकरण था।आरोप था कि 1983 में तत्कालीन विदेश मंत्री पी.वी. नरसिंह राव, चंद्रास्वामी और उनके सहयोगी 'मामाजी' ने ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के व्यवसायी लखूभाई पाठक से कथित रूप से 100,000 डालर की धोखाधड़ी की। सी बी आई का आरोप था कि भारत में न्यूज़ प्रिंट पेपर पल्प का ठेका दिलाने का वादा किया गया था। जब अदालत ने राव को बरी करने के फैसला सुनाए जाने के बाद राव ने सिब्बल को गले लगाया था। राजनीतिक गलियारों में कहा यही जाता रहा कि इस तरह के मामलों में सिब्बल साहब के रिश्तों का असर न्याय पालिका पर रहा।

सिब्बल साहब ने अपने भाषण में मीडिया मालिकों और पत्रकारों पर इस समय भारी दबाव और विदेशी पूर्वाग्रही रिपोर्ट्स का हवाला दिया है। यहाँ भी वे काले पन्ने भूल गए या भुलाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं भाजपा या उनके समर्थकों की तरह केवल आपात काल की बात भी नहीं कर रहा हूँ। स्वतंत्र भारत में प्रेस की आर्थिक स्वतंत्रता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सरकार द्वारा 1960 में जारी आदेश से अखबार की कीमत और पृष्ठों की संख्या के बीच संबंध नियंत्रित किया जाना था।

1962 में एक आदेश के तहत सरकार कागज़ आयात, कोटा , पृष्ठ संख्या और उपयोग को नियंत्रित करती थी। फिर 1972-73 में तो न्यूज़प्रिंट नीति में कठोर प्रतिबन्ध लगाए , तो बड़े प्रकाशक अदालत गए। इंडियन एक्सप्रेस ही नहीं प्रादेशिक अख़बारों पर कांग्रेस सरकारों , नेताओं का दबाव विज्ञापन रोकने , आर्थिक आरोपों के मामले दर्ज करने के रिकॉर्ड हैं। बिहार में जगन्नाथ मिश्रा द्वारा लाया गया प्रेस कानून , राजीव गांधी सरकार में लाया गया मानहानि कानून प्रेस पर खतरों की तरह माने गए। लालू यादव ने चारा काण्ड छापने पर 1990 में पटना में प्रेस पर सीधा हमला करवा दिया , तब मैं उसी अख़बार का संपादक था और पहली खबर भी लिखी थी। खैर हमले के बाद भी हमने लिखना बंद नहीं किया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सीएम मुलायम सिंह यादव के राज में अख़बारों पर ' हल्ला बोल ' के तहत हमले के तथ्य कैसे भुलाए जा सकते हैं। अब ऐसे हमले तो कहीं नहीं हो रहे हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बेंजमिन नेतन्याहू का छल और ईरान के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंसे ट्रंप

तनवीर जाफरी
स्तंभकार

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका -ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौक़ा है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के ग़लत फ़ैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन ष्टङ्कह्र-72 को लेकर एक ऐसी ख़बर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरुआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल - अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से क़रीब 200 दिन बिना किसी पोर्ट कॉल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई।

ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे । फ़रवरी 2026 में अमेरिका-इस्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला ख़ामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफ़ी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और ख़ामेनेई के दफ़्न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेज़ी में चढ्ढरुञ्जऋक्कलिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों में चढ्ढरुञ्जऋक्कलिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टर्स में डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इस्राईली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था। उन पोस्टरों पर नीचे लिखा था- ञ्जद्धद्गह्द 2द्बद्यद्य ड्डद्ग ड्ढद्यशश्वस्र यानी खून बहेगा। इसी तरह तेहरान में एक पुल से ट्रंप का एक विशाल बिलबोर्ड (होर्डिंग) लटकाया गया

था, जिस पर उनके सिर पर गोली का निशान बना था और लिखा था अमेरिका ने हमारे पिता को मारा है, हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं ! और वहां से गुज़रती आक्रोशित भीड़ उस होर्डिंग पर पत्थर बरसा रही थी। ख़ामेनेई के अंतिम संस्कार के जुलूस में भी भीड़ ने सामूहिक रूप से क़सम खाते हुए नारे लगाए कि हम अपने सर्वोच्च नेता के खून की क़सम खाते हैं, ट्रंप हम तुम्हें मार डालेंगे ! मुख्य मंच से कवियों और उद्घोषकों ने लाउडस्पीकर पर चिल्लाते हुए भीड़ से पूछा, दुनिया का सबसे कमीना आदमी (डोनाल्ड ट्रंप) अभी तक ज़िंदा क्यों है? जिसने हमारे इमाम को मारा, हम उसे क्यों न मारें? इसके बाद पूरी भीड़ ने डेथ टू डोनाल्ड के नारे लगाए। यहाँ तक कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा ख़ामेनेई ने भी लिखित बयान जारी कर कहा कि ईरान ने इन अपराधी हत्यारों की एक हिट-लिस्ट तैयार की है और उनसे बदला लेना अब ईरान का राष्ट्रीय संकल्प है। इसतरह के हालात ट्रंप व उनके सुरक्षा सलाहकारों में ईरान के प्रति भयभीत होने के लिए पर्याप्त हैं। यानी कहना ग़लत नहीं होगा कि अपने ही ग़लत फैसलों के चलते ट्रंप ईरान के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

40 के बाद खान-पान ही नहीं, प्राकृतिक बदलाव से भी बढ़ता है कोलेस्ट्रॉल

ज्यादातर लोग मानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल केवल गलत खानपान की वजह से बढ़ता है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज्यादा जटिल है। 40 वर्ष की उम्र के बाद शरीर में ऐसे प्राकृतिक बदलाव शुरू होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ कोशिकाओं की कार्यक्षमता कम होने लगती है, मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ता है और हार्मोनल परिवर्तन लिपिड प्रोफाइल पर असर डालते हैं। यही कारण है कि 40 पार करने के बाद हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ने लगता है।

मैयोक्लीनिक के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ शरीर की एनर्जी बर्न करने की क्षमता कम होने लगती है। पहले जितनी कैलोरी शरीर आसानी से बर्न कर लेता था, वह धीरे-धीरे फैट के रूप में जमा होने लगती है। इसका असर केवल वजन पर ही नहीं बल्कि एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स पर भी पड़ता है। इसके अलावा, उम्र बढ़ने के साथ लिवर की वह क्षमता भी कम हो सकती है, जिससे वह रक्त से अतिरिक्त स्रुरुको हटाता है। परिणामस्वरूप रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है।

महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से कम होने लगता है। एस्ट्रोजन सामान्य परिस्थितियों में अच्छा कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखने और स्रुरुको नियंत्रित करने में मदद करता है। इसकी कमी के बाद स्रुरुऔर ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ सकते हैं। पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन धीरे-धीरे कम होने लगता है। इसके साथ शरीर में फैट प्रतिशत बढ़ सकता है और इंसुलिन रेजिस्टेंस विकसित होने लगती है, जिससे लिपिड प्रोफाइल प्रभावित हो सकती है।

वजन और पेट की चर्बी बढ़ना: उम्र बढ़ने के साथ विशेषकर पेट के आसपास चर्बी (विसरल फैट) बढ़ने लगती है। यह इंसुलिन रेजिस्टेंस और हाई कोलेस्ट्रॉल दोनों का जोखिम बढ़ाती है। इसकी वजह से व्यक्ति को अन्य गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। कोलेस्ट्रॉल के कारण हार्ट डिजीज का खतरा कुछ लोगों में ज्यादा रहता है। 40 वर्ष से अधिक उम्र, परिवार में हार्ट डिजीज का इतिहास, डायबिटीज के मरीज हाई ब्लड प्रेशर वाले लोग, मोटापा या बढ़ा हुआ कमर का घेरा और धूम्रपान करने वाले। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार 40 वर्ष के बाद केवल कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि संपूर्ण हार्ट हेल्थ की जांच करानी चाहिए। यदि समय रहते जोखिम की पहचान कर ली जाए और स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जाए, तो हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

निशाना

नागों की कदर

ब्रजकिशोर पटेल

राजनीति ने लगाया नागों का मेला
होनहार नेतानागों के साथ खेला
नागों का समूह भी
था हिम्मत से भरा
एक भी नागनेता से नहीं डरा
सारे के सारे नाग हंस रहे थे
खिल खिला रहे थे
नेता जी नागो को
दूध जो पिला रहे थे
यह मत समझना
कि नेता जी के दिल में थी
नागों की कदर
असल में नाग पर नहीं
नागमणि पर थी
नेता जी की नजर।

नॉलेज

350 साल पहले सिर्फ सात बीजों से भारत में शुरू हुआ था कॉफी का सफर

भारत हो या दुनिया का कोई और देश, चाय के साथ-साथ गरमा-गरम कॉफी के बिना सुबह अधूरी मानी जाती है। चाहे दक्षिण भारत की मशहूर 'फिल्टर कॉफी' हो या शहरों के कैफे में मिलने वाली 'कैपुचीनो'। कॉफी आज हर भारतीय के दिल और जीवन का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत में इस एनर्जेटिक ड्रिंक का इतिहास लगभग 350-400 साल पुराना है, और इसकी शुरुआत हुई थी सिर्फ 7 बीजों से हुई।

17वीं शताब्दी में दुनिया में कॉफी के उत्पादन और व्यापार पर अरब देशों विशेष रूप से यमन का एकछत्र राज था। यमन का 'मोचा' (Mocha) बंदरगाह कॉफी व्यापार का मुख्य केंद्र था। अरब लोग कॉफी के पौधों या भुने हुए बिना उगे बीजों को अपने देश से बाहर ले जाने पर सख्त पाबंदी रखते थे, ताकि कोई अन्य देश इसे उगा न सके। कॉफी के केवल उबले या भुने हुए बीज ही बाहर भेजे जाते थे ताकि वे अंकुरित न हो सकें। इसी दौर में कर्नाटक के चिकमगलूर के रहने वाले एक सूफी संत हजरत बाबा बुदन मक्का हज पर गए। वापसी के रास्ते में वे यमन के मोचा शहर में रुके और पहली बार कॉफी का स्वाद चखा। इसके स्वाद और एनर्जेटिक गुणों से बेहद प्रभावित हुए। वे इस अद्भुत पौधे को भारत लाना चाहते थे, लेकिन कड़े नियमों के कारण ऐसा करना नामुमकिन जैसा था। बाबा बुदन ने एक चालाकी और साहस भरा कदम उठाया। उन्होंने कॉफी के 7 हरे कच्चे बीजों को लिया और नियमों से बचते हुए उन्हें अपनी लंबी और घनी दाढ़ी में छुपा लिया।

भारत में पहला कॉफी का पौधा: अरब के सख्त पहरे को पार कर बाबा बुदन भारत लौट आए। भारत पहुंचकर उन्होंने चिकमगलूर के चंद्रद्रोण पहाड़ियों पर उन 7 बीजों को रोप दिया। चिकमगलूर की मिट्टी और मौसम कॉफी की पैदावार के लिए बिल्कुल अनुकूल साबित हुए। देखते ही देखते वे 7 बीज हरे-भरे पौधों में बदल गए। इसके बाद कॉफी का पौधा धीरे-धीरे आसपास के इलाकों में फैलने लगा। बाबा बुदन के इस योगदान का सम्मान करने के लिए उन पहाड़ियों का नाम 'बाबा बुदन गिरी' रख दिया गया, जो आज भी कर्नाटक में प्रसिद्ध है।

कॉफी सेक्टर आज दो मिलियन से ज़्यादा लोगों की रोज़ी-रोटी चलाता है, जो खेती, प्रोसेसिंग और व्यापार में लगे हुए हैं। इसमें छोटे किसानों का दबदबा है, जो देश की लगभग 99 प्रतिशत जोत और कुल उत्पादन का 70 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। समय के साथ भारत दुनिया के सबसे प्रमुख कॉफी उत्पादक देशों में शामिल हो गया।

वायरल कंटेंट

पत्नी को गिफ्ट किया 'ताजमहल' जैसा घर आलीशान नजारा देख मुरीद हुआ इंटरनेट

पत्नी के प्यार में ताजमहल बनवा देने के वादे कई लोग करते हैं लेकिन इसे पूरा सब नही कर पाते हैं। बुरहानपुर के आनंद प्रकाश चोकसी ने ये कारनामा कर दिखाया है। उनके ताजमहल वाले घर में 24 फुट ऊंची छत है और नक्काशी के मामले में ये असली ताजमहल को टक्कर देता है।

ताजमहल सिर्फ प्यार नही बल्कि अनोखे आर्किटेक्चरल डिजाइन का भी खूब नमूना है। इसके जैसी इमारत बनवाना सबके बस की बात बिल्कुल नही है। बल्कि ये सोचना भी बड़ी बात है कि ताजमहल हम भी बनवा लेंगे। मगर इन सबके बावजूद आनंद प्रकाश चोकसी ने वो कर दिखाया जिसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। एक कंटेन्ट क्रिएटर ने इस घर का टूर कराया गया है। ये घर आनंद प्रकाश चोकसी ने असली ताजमहल से 800 किलोमीटर दूर बुरहानपुर में बनवाया है। उन्होंने इसकी शुरुआत 2021 में की थी। इस घर का टूर उनके बेटे और बहू ने कराया है। कंटेन्ट क्रिएटर शुभम प्रजापत उनके घर पहुंचे थे और वहीं से घर का वीडियो वायरल होने लगा। ये घर शाहजहां से प्रेरणा लेकर बनवाया है।

गुंबद, मार्बल और बगीचा: ताजमहल का लुक सफेद मार्बल और बगीचे के साथ कितना खूबसूरत लगता है। यही इसकी सुंदरता की खासियत भी है। इस घर में इन दो का खूब ध्यान रखा गया है। ये दोनों आपको यहां मिलेंगे ही लेकिन साथ में गुंबद और ताजमहल के चारों ओर बने चार खंबे भी इस घर में बनाए गए हैं। घर के मेन गेट तक पर नक्काशी की गई है।

इस घर की छत 24 फीट ऊंची है, जो बिल्कुल भी आम नहीं है। शुभम वीडियो में घर के अंदर के लुक को फिल्मों वाला कह देते हैं। अंदर की सीढ़ियां भी रॉयल अंदाज में बनाई गई हैं। लाइट, पेंटिंग और शानदार सोफों से भी लुक को पूरा किया गया है।

वीडियो के आखिरी में चोकसी खुद दिखते हैं। वो बताते हैं कि सिर्फ लुक में नही ये आकार में भी ताज जैसा ही घर है। असली ताजमहल की नाप ली गई थी। ये नाप मीटर में ली गई थी। उसे यहां फीट में बदलकर बनाया गया है। इसलिए बिल्कुल वैसा ही है।

माता शबरी आदिवासी कन्या छात्रावास का मामला: जिम्मेदारों की अनदेखी और अव्यवस्थाओं से परेशान छात्राओं ने उठाया कदम

खिड़की से कूदकर रात 12 बजे पैदल निकली छात्राएं, क्षेत्र में मचा हड़कंप

धार। दोपहर मेट्रो

आदिवासी बहुल जिले की कुक्षी तहसील के निसरपुर पुनर्वास स्थल स्थित माता शबरी आदिवासी कन्या छात्रावास में अव्यवस्थाओं की हद पार होने के बाद बीती आधी रात को सनसनीखेज मामला सामने आया। बुनियादी सुविधाओं और गंभीर समस्याओं से तंग आकर छात्रावास की 40 छात्राएं रात करीब 12 बजे खिड़की से कूदकर कुक्षी के लिए पैदल ही रवाना हो गईं। छात्राओं के आधी रात को सड़क पर उतरने की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। लगभग ढाई किलोमीटर पैदल चलने के बाद कटनेरा पुल के पास सामाजिक कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोककर समझाइश दी, जिसके बाद वाहनों से उन्हें कुक्षी लाया गया।

कुक्षी पहुंचकर छात्राओं ने तहसीलदार प्रवीण पाटीदार, एसडीओपी सुनील गुप्ता और

थाना प्रभारी के सामने अपनी पीड़ा खुलकर रखी। छात्राओं ने बताया कि 50 छात्राओं की क्षमता वाले इस भवन में वर्तमान में करीब 140 छात्राएं रह रही हैं, जिसमें कन्या शिक्षा परिसर की 50 छात्राएं भी शामिल हैं। जगह की भारी कमी के चलते कई बार एक ही बिस्तर पर दो से तीन छात्राओं को सोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सूचना पर जयस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल भी छात्राओं से मिले व उनकी समस्यातओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों के आज सोमवार दोपहर तक समस्याओं का समाधान कराने के आश्वासन के बाद छात्राएं रात करीब 2 बजे वापस छात्रावास पहुंचीं।

भोजन की गुणवत्ता पर सवाल

छात्राओं का आरोप है कि उन्हें घटिया किस्म का भोजन परोसा जाता है और सुबह के नाश्ते में तय मेन्यू का बिल्कुल पालन नहीं किया जाता। छात्राओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और प्रशासन के अधिकारी निरीक्षण के नाम पर आते हैं, लेकिन बाहर से ही देखकर लौट जाते हैं। वे कभी अंदर आकर छात्राओं से उनकी वास्तविक परेशानियां नहीं पूछते है। सुबह के नाश्ते में भी निर्धारित मेन्यू का पालन नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया। छात्राओं ने छात्रावास प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं को किसी दूसरे छात्रावास में स्थानांतरित करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान प्रबंधन को हटाने की मांग भी अधिकारियों के सामने रखी।

निरीक्षण की प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में

छात्राओं ने शिक्षा और प्रशासन विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि अधिकारी छात्रावास का निरीक्षण करने आते हैं, लेकिन बाहर से ही देखकर लौट जाते हैं। छात्राओं के मुताबिक अधिकारियों द्वारा अंदर आकर उनसे बातचीत नहीं की जाती, जिससे उनकी वास्तविक समस्याएं सामने नहीं आती है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सोमवार को संबंधित अधिकारी छात्रावास पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और छात्राओं की शिकायतों के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद छात्राएं वाहनों से निसरपुर स्थित छात्रावास वापस लौटीं। वे रात करीब 2 बजे छात्रावास पहुंचीं।

न्यूज विंडो

पिकअप व डोडा चूरा जब्त, अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर फरार

नीमच। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 हजार 31 किलो 580 ग्राम (एक टन से अधिक) अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा एक पिकअप वाहन जब्त भी जब्त किया गया है, हालांकि बारिश और अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है। सीबीएन को राजस्थान पंजीयन वाले एक पिकअप वाहन से डोडा चूरा की तस्करी किए जाने की विशिष्ट सूचना मिली थी। इसके आधार पर सीबीएन प्रथम खंड के अधिकारियों ने संदिग्ध मार्ग पर निगरानी शुरू करते हुए नाकाबंदी की। 16 अगस्त की सुबह चित्तौडगढ़ जिले के पालचा-उदपुरा मार्ग पर सूचना के अनुरूप संदिग्ध पिकअप नजर आया। सीबीएन टीम ने वाहन को रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय तेज गति से भगाते हुए सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया। इसके बाद चालक ने सरकारी वाहन को पार कर मौके से निकलने की कोशिश की। सीबीएन अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर पिकअप को रोक लिया। हालांकि अंधेरे, भारी बारिश और पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्र होने का फायदा उठाकर वाहन में सवार व्यक्ति मौके से फरार हो गए। जब्त पिकअप को सीबीएन कार्यालय नीमच लाया गया। यहां वाहन की विधिवत तलाशी लेने पर 51 एचडीपीई प्लास्टिक बोरियों में उक्त मात्रा में डोडा चूरा मिला। बरामद मादक पदार्थ और वाहन को स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत विधिवत जब्त किया गया है। मामले में सीबीएन की जांच जारी है।

शिक्षक को सांस लेने में हुई तकलीफ अस्पताल पहुंचने से पहले थमी सांसें

रीवा। जिले में एक सरकारी शिक्षक की मौत के बाद परिजन ने दो घंटे तक एंबुलेंस न आने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि अगर एंबुलेंस वक्त पर आ जाती तो परिवार के सदस्य की जान बच जाती। शिक्षक को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और जब तक परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच कर शिक्षक को मृत घोषित कर दिया। रीवा जिले की गंगेव जनपद पंचायत के बुड़वा गांव में रहने वाले सरकारी शिक्षक कमलेश कोल की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। कमलेश को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। इसी बीच परिजनों ने एंबुलेंस को कॉल किया, लेकिन परिजनों का आरोप है एंबुलेंस 2 घंटे बाद आई और जब तक कमलेश को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनगवां लेकर पहुंचे देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर ने बताया कि जब मरीज को अस्पताल लाया गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक शिक्षक कमलेश कोल के परिजनों ने आरोप लगाया है कि तबीयत बिगड़ने पर तुरंत एंबुलेंस को सूचना दे दी थी।

रसिंहपुर के डोंगरगांव थाना क्षेत्र के युवक की हत्या के मामले का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

साली की चाहत में साडू भाई की हत्या! पेट में चाकू छोड़ फरार हुआ आरोपी

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर के डोंगरगांव थाना क्षेत्र में हुई युवक की सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में मृतक के साडू भाई वीरेंद्र को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि के उल्लंघनकर्ता बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस पूछताछ में हत्या की वजह मृतक की पत्नी और आरोपी वीरेंद्र के बीच प्रेम संबंध को बताया जा रहा है। मृतक गाडरवारा के राजीव वार्ड का रहने वाला था। वह अपने दिव्यांग माता-पिता का इकलौता बेटा और परिवार की आय का प्रमुख सहारा था। उसकी हत्या के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

पुलिस जांच के अनुसार, मृतक की पत्नी के अपने जीजा वीरेंद्र के साथ कथित प्रेम संबंध थे। करीब सात माह पहले महिला वीरेंद्र के साथ चली गई थी, लेकिन बाद में बच्चों के कारण वह वापस अपने पति के घर लौट आई। पुलिस के

मुताबिक, पत्नी के वापस लौटने से वीरेंद्र नाराज था और इसी रंजिश के चलते उसने साडू भाई को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने मृतक को सोने की चेन और मंगलसूत्र वापस दिलाने के बहाने एनटीपीसी के पास बुलाया। इसके बाद उसे बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गया। रास्ते में आरोपी वीरेंद्र और विधि के उल्लंघनकर्ता बालक ने कथित तौर पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक की मौत हो गई और आरोपी चाकू पेट में ही छोड़कर मौके से फरार हो गए।

हत्या के बाद परिजनों ने किया था हंगामा

घटना की सूचना मिलते ही डोंगरगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। हत्या की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजन गाडरवारा थाने पहुंचे और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी तथा कड़ी सजा की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और संदेह के आधार पर वीरेंद्र को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ और जांच में सामने आई जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक विधि के उल्लंघनकर्ता बालक को भी अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस की जांच के बाद हत्या की वजह और घटनाक्रम की तस्वीर स्पष्ट हुई।

पथरिया में उप डाकघर का शुभारंभ क्षेत्रवासियों को मिली नई सौगात

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पथरिया उपतहसील मुख्यालय पर नवीन उपडाकघर पथरिया का शुभारंभ सागर-विदिशा लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद द्वारा शिलापट्टी का अनावरण एवं फीता काटकर उप डाकघर का विधिवत शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ समारोह में माननीय सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने अपने संबोधन में विशेष रूप से केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा पथरिया क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण मांग को शीघ्र स्वीकार कर क्षेत्रवासियों को यह सौगात प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि उपडाकघर के लिए भवन की आवश्यकता पर भी मंत्री द्वारा उन्हें आश्वस्त किया गया है तथा भविष्य में पथरिया में एक बेहतर एवं सुविधायुक्त डाकघर भवन निर्मित किए जाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय आमजन के लिए एक महत्वपूर्ण जन सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा। सांसद ने कहा कि आज डाकघर केवल डाक भेजने एवं प्राप्त करने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग एवं अनेक जनकल्याणकारी सेवाओं की पहुंच का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। उन्होंने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का उल्लेख करते हुए कहा कि डाक विभाग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में डोर-स्टेप बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध हो रही है और डाकिया अब केवल डाकिया नहीं, बल्कि ग्रामीणों के लिए चलता-फिरता बैंक बन चुका है। उन्होंने भुगतान प्रणाली सुकन्या समृद्धि योजना, कॉमन सर्विस सेंटर पासपोर्ट सेवा एवं आधार संबंधी सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सुविधाओं से ग्रामीण नागरिकों को अपने छोटे-बड़े कार्यों के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

स्वतंत्रता दिवस: ध्वजारोहण कर तिरंगे को दी सलामी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शनिवार को स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और परंपरागत तरीके से मनाया गया। मुख्य आयोजन सांदीपनि स्कूल ग्राउंड पर हुआ, जहां जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान रिमझिम बारिश के बीच छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगीत वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन का गायन हुआ। इसके बाद पुलिस बल, एनसीसी, स्काउट और रेड क्रॉस की टुकड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। समारोह के दौरान एलईडी स्क्रीन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वतंत्रता दिवस संदेश का सीधा प्रसारण किया गया। सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा ने स्कूली बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर मुख्यमंत्री का संदेश सुना। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सामूहिक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह का

समापन सुबह 11:30 बजे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और प्रतिभागी टीमों को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। सिरोंज के सांदीपनि स्कूल ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस समारोह के समापन के बाद सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा बच्चों के साथ स्कूल मैदान में उतरकर नाचे। सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण के बाद छात्र-छात्राएं जश्न मना रहे थे। विधायक को अपने बीच पाकर स्कूली बच्चे भी दोगुने उत्साह में आ गए और उनके साथ खूब डांस किया। रिमझिम बारिश के बीच यह क्रम करीब 5 मिनट तक चलता रहा। उमाकांत शर्मा अपने कड़क तेवर और अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

मेट्रो एंकर

रक्त सेवा समिति के रजत जयंती वर्ष का समापन समारोह आयोजित

27 रक्तदाताओं का सम्मान कर लोगों को रक्तदान करने किया जागरुक

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

रक्त सेवा समिति के रजत जयंती वर्ष के समापन अवसर पर डॉल्फिन स्कूल के सभागृह में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रक्तदाताओं का सम्मान, रक्तदान जागरूकता पर पोस्टर प्रदर्शनी, पत्रिका का लोकार्पण तथा प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा विद्यार्थियों द्वारा वंदना एवं गीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार की गई चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।

समारोह में 10 बार या उससे अधिक रक्तदान करने वाले 27 रक्तदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विदिशा से पधारे 160 बार रक्तदान कर चुके उदय हजारी रहे। उन्होंने अपने रक्तदान से जुड़े प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए नागरिकों से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि समिति पिछले 25 वर्षों से रक्तदान के प्रति जनजागृति अभियान चला रही है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, युवाओं एवं आम नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने तथा रक्त समूह परीक्षण के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का कार्य लगातार जारी है। उन्होंने समिति की प्रगति एवं विकास में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्य आपसी आर्थिक सहयोग से संस्था की गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। इस दौरान सभी सहयोगकर्ताओं एवं प्रायोजकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया।

समिति के सचिव अनिल दुबे एवं अध्यक्ष राकेश जैन विद्युत ने रक्त सेवा समिति द्वारा किए जा रहे मानवता एवं जनसेवा के कार्यों की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। समिति के उपाध्यक्ष शैलेंद्र दीक्षित ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए समिति की 25 वर्षों की विकास यात्रा एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन संदीप रावत, प्राचार्य नवांकुर विद्यापीठ ने किया। अंत में समिति के अध्यक्ष राकेश जैन ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, विद्यालय-महाविद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों, महिला एवं युवा सदस्यों तथा पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में रक्त सेवा समिति के सैकड़ों सदस्य एवं पदाधिकारी, महिलाएं, युवा, विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी तथा पत्रकार साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रक्तदान को मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जुड़ने का संदेश दिया गया।

जुन्नारदेव में ध्वजारोहण को लेकर हुआ विवाद

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में स्वतंत्रता दिवस पर जुन्नारदेव जनपद पंचायत में ध्वजारोहण को लेकर विवाद सामने आया है। जनपद पंचायत अध्यक्ष सविता अशोक भोसम ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी पर प्रशासनिक प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का भी आरोप लगाया है। अध्यक्ष ने को शिकायत भेजी है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम MANOJ SONWANE था जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित हो कर MANOJ R SONWANE हो गया है अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम MANOJ R SONWANE S/O RAGHUNATH GANPAT SONWANE से ही जाना व पहचाना जाए।

पता – LIG 89-3C SAKET NAGAR HABIBGANJ HUZUR BHOPAL MADHYA PRADESH 462024

न्यूज विंडो

अरुष एकेडमी स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

तेंदूखेड़ा। स्वतंत्रता दिवस की 80 वीं वर्षगांठ पर नगर के अरुष एकेडमी स्कूल में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी महेश विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, राष्ट्र गान और ध्वज सलामी के उपरांत अश्व पर सवार छत्रपति शिवाजी महाराज, बघ्घी पर राष्ट्रीय ध्वज लहराती भारत माता की झांकी के साथ विशाल प्रभात फेरी ने नगर भ्रमण किया। बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे उत्सव का माहौल और भी यादगार बन गया। मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया। अभिभावकों नगद राशि देकर छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। स्वतंत्रता दिवस के संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया, जिसकी अभिभावकों ने बहुत सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर राकेश साहू ,उमेश विश्वकर्मा एवं समस्त स्टाफ ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश की आजादी वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश की एकता अखंडता और विकास में योगदान देना चाहिए और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को भी जीवन में अपनाने पर जोर देना। इस दौरान अरुष एकेडमी स्कूल परिसर में देशभक्ति का माहौल रहा। प्राचार्य राघवेंद्र शुक्ला ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं उन्होंने स्कूल के बच्चों को देशभक्ति शिक्षा और अच्छे संस्कारों के प्रति प्रेरित किया।

आईईएस पब्लिक स्कूल तेंदूखेड़ा में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड 10 में संचालित आईईएस पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य सुश्री विजया जैन द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में इनोवेटिव ग्रुप के डायरेक्टर विक्रम सिंह राजपूत एवं आनंद खरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। विक्रम सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की प्रगति और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रत्येक विद्यार्थी में देशप्रेम, राष्ट्रसेवा, अनुशासन एवं संस्कार की भावना का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और जिम्मेदारी की भावना ही विद्यार्थियों को देश का योग्य एवं जिम्मेदार नागरिक बनाएगी कार्यक्रम में विद्या यादव, सिनी जैन, शुभी जैन, मंजूलता खरे, पूजा यादव, रश्मि साहू, पूजा साहू, संजना महोबिया, माधुरी गौतम, फूल सिंह, विवेक सक्सेना एवं अर्पित ठाकुर सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही समारोह के सफल आयोजन में शिक्षकों एवं सहयोगियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी गई। कार्यक्रम के अंत में आनंद खरे द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

भारतीय जैन संगठन द्वारा छात्रावास के बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस बालक आवासीय छात्रावास, नरसिंहपुर में निवासरत विद्यार्थियों को भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) नरसिंहपुर द्वारा स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने छात्रावास पहुंचकर बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल सहित अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की। संगठन के पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्हें लगन और परिश्रम के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। स्टेशनरी सामग्री प्राप्त कर छात्रावास के विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा भारतीय जैन संगठन नरसिंहपुर के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ सुधीर सिंघई, इंजी सुनील कोठारी, अनीश जैन, नीलेश मलैया, आकाश जैन, सजल जैन इंजी मोहित जैन अरिहंत जैन, सारस्वत जैन सहित संगठन के सदस्यों एवं छात्रावास के कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

डोला में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया

डोला। नगर परिषद डोला में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह एवं गहन राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, पत्रकार बंधु, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं नगरवासी उपस्थित रहे। नगर परिषद डोला में अध्यक्ष रीनू सुरेश कोल जी के कर-कमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी के सहयोग एवं सहभागिता से स्वतंत्रता दिवस के समस्त कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखनलाल पनिका के मार्गदर्शन में निकाय के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य, गायन एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गईं। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा नगर परिषद परिसर राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा। नृत्य एवं गायन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेने वाले सभी बच्चों को माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन एवं सम्मान किया गया। बच्चों की प्रतिभा और शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

नागपंचमी : नागबाबा पर उमड़ा भक्तों का सैलाब, दर्शन कर की पूजा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

हिंदुओं के प्रमुख पर्व नागपंचमी को लेकर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। नगर से करीब 7 किलोमीटर दूर झलौन सागर मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध नागबाबा स्थल पर नागपंचमी के अवसर पर हजारों श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने यहां नाग देवता की पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाएं कीं।

जंगल के बीच मुख्य मार्ग पर स्थित इस सिद्ध स्थल से गुजरने वाले वाहन चालक भी श्रद्धा से हॉर्न बजाना नहीं भूलते। पंडित गोपाल

शास्त्री ने बताया कि इस बार नागपंचमी का पर्व करीब 23 वर्षों बाद सावन सोमवार और नागपंचमी का ऐसा संयोग बना है। इससे पहले वर्ष 2003 में यह योग बना था। भगवान शिव के गले में नाग देवता विराजमान होने के कारण इस दिन शिव एवं नाग देवता की संयुक्त पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। उन्होंने बताया कि नागपंचमी पर कालसर्प दोष एवं नाग दोष से मुक्ति के लिए भगवान शिव की विशेष आराधना की जाती है। आटे, तांबे या चांदी से बने सर्प को शिवजी पर अर्पित कर दूध, दही, गंगाजल, शहद और शक्कर से अभिषेक करना धार्मिक रूप से विशेष फलदायी माना गया है। सुबह 6 से 9, 9 से 12, दोपहर 12 से 3 तथा 3 से शाम 6 बजे तक चार प्रहर में पूजा-अर्चना की जा सकती है। नागपंचमी पर क्षेत्र में खीर, पूरी और गक्कड़-भरता बनाने की परंपरा भी है। सावन सोमवार और नागपंचमी के एक साथ पड़ने से इस बार नागबाबा स्थल पर विशेष धार्मिक उत्साह और श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलेगी।

राजगढ़ जिले के बिरालखेड़ी गांव में प्लॉट के विवाद का मामला

ASI ने चलाईं धांय-धांय गोलियां एक की मौत, दो गंभीर घायल

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के ब्यावरा के बिरालखेड़ी गांव में प्लॉट के विवाद में गोलियां चलने से दहशत फैल गई। प्लॉट को लेकर चल रहे विवाद ने बीते दिन बड़ा रूप ले लिया और 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से धांय-धांय गोलियां चलीं। गोली लगने से तीन लोग घायल हुए थे जिनमें से एक की अस्पताल में मौत हो गई जबकि बाकी दो गंभीर घायलों का इलाज चल रहा है। गोली चलाने का आरोप शाजापुर एसपी कार्यालय में पदस्थ एएसआई दिलीप प्रजापति व उसके भाई सुरेश पर है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

बताया गया है कि ग्राम बिरालखेड़ी रोड पर स्थित प्लॉट को लेकर इकलेरा निवासी दिलीप प्रजापति का मुकेश जाटव से विवाद चल रहा था। एक प्लॉट का कोर्ट केस दिलीप प्रजापति जीत गया था। लेकिन वह बगल वाले मुकेश जाटव के प्लॉट पर भी कब्जा करना चाहता था। प्लॉट पर हो रहे निर्माण को रुकवाने के चक्कर में रविवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग हो गई।

आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपी ने मुकेश को गोली मारी, फिर बीच-बचाव करने आए सतीश को भी गोली मारी और वीडियो बना रहे दिलीप जाटव को भी गोली मार दी। गोली लगने से दिलीप पिता कन्हैयालाल जाटव (35), मुकेश पिता प्रेमनारायण जाटव (40) और सतीश पिता रतनलाल (32) घायल हो गए। जिसमें से दिलीप के सीने और कंधे में गोली लगने से अस्पताल में मौत हो गई। बाकी दो घायलों का उपचार जारी है।

पुलिस पर भी फायरिंग का प्रयास

तलेन पुलिस के अनुसार घटना में शाजापुर एसपी कार्यालय में एएसआई के पद पर पदस्थ दिलीप पिता आत्माराम प्रजापति और उसके भाई सुरेश पर गोली चलाने का आरोप है। तलेन पुलिस ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा गया है। घायलों का उपचार जारी है। मामले में पुलिस ने जांच में लिया है। तलेन थाने के एसआई शिवराज मीणा ने बताया कि हमने आरोपियों के हाथ में बंदूक देखकर जब बाइक के पीछे वाहन लगाया तो आरोपी पुलिस को देखकर बंदूक लोड करने लगा लेकिन हमने गाड़ी आगे अड़ाकर दिलीव व उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से कुछ जिंदा कारतूस भी मिले हैं।

मां और प्रेमी ने बालिका की गला दबाकर की हत्या

भिंड। दोपहर मेट्रो

लहार में 6 वर्षीय बालिका सृष्टि दौहरे की हत्या का पुलिस ने पर्दाफाश किया। इस मामले में बालिका की मां ज्योति दौहरे (28) और उसके प्रेमी रामशंकर उर्फ पलू शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ने बदनामी के डर से बालिका की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को कुएं में फेंक दिया था। पुलिस की पूछताछ के दौरान ज्योति को जब बेटी के शव की तस्वीर दिखाई तब भी नहीं पसीजी। अधिकारियों के अनुसार मासूम बच्ची की हत्या करने का कोई अफसोस नजर नहीं आया। जबकि जिस दिन मासूम का शव मिला था, तब पूरा गांव रोया था।

फूप के पोखर ज्ञानपुरा में रहने वाली ज्योति का पति

धर्मेंद्र और रामशंकर उर्फ पलू गुजरात के बरौदा में एक साथ काम करते थे। धर्मेंद्र ने अपनी पत्नी से रामशंकर की फोन पर बातचीत करवाई। बात इतनी आगे बढ़ी कि ज्योति और पलू एक-दूसरे से प्रेम करने लगे। लहार टीआइ शिवसिंह यादव ने बताया ज्योति अपने पति धर्मेंद्र दौहरे को छोड़कर प्रेमी रामशंकर के साथ गुजरात में रह रही थी। बच्ची को लहार के मेहरी गांव में उसके नाना नरेश दौहरे के यहां छोड़ दिया था। घटना से कुछ दिन पहले ही लौटी ज्योति अपने प्रेमी के साथ गांव के हार में रुकी थी, वहीं वह अपनी बेटी को ले आई। लेकिन बच्ची ने मां के साथ रहने से इनकार कर दिया था और नाना के यहां जाने की जिद की। आरोपियों को लगा कि वह उनके रिश्ते का खुलासा न कर दे, इसलिए सृष्टि को रास्ते से हटाने की योजना बना ली।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 6 जुलाई की रात बालिका अपने नाना नरेश दौहरे के घर जाने की जिद कर रही थी। उन्हें डर था कि उनके संबंधों का खुलासा हो जाएगा और गांव में बदनामी होगी। योजनानुसार, दोनों बालिका को नाना के घर छोड़ने के बहाने मोहन दौहरे के कुएं के पास ले गए। वहां प्रेमी पलू ने उसका गला दबाया और मां ज्योति ने हाथ-पैर पकड़े। मौत होने पर शव को कुएं में फेंककर दोनों रात में ही ग्वालियर होते हुए गुजरात फरार हो गए थे।

बरमान चौराहा अटल सेतु पर भाजपा ने दी वाजपेयी को भावभीनी श्रद्धांजलि

अटल बिहारी का विराट व्यक्तित्व और देश के लिए उनका सुशासन ही भाजपा की असली पूंजी है: पाठक

करेली। दोपहर मेट्रो

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रखर राष्ट्रभक्त भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर करेली नगर मंडल द्वारा बरमान चौराहा स्थित अटल सेतु के नीचे स्थापित अटल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष पं. रामस्नेही पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व और कृतित्व हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणापुंज है। उन्होंने भारतीय राजनीति में शुचिता और सिद्धांतों के जो मानक तय किए, वे हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि देश को सुशासन की नई परिभाषा दी और उनके नाम पर बना यह अटल सेतु सदैव हमें उनके ऐतिहासिक विकास कार्यों की याद दिलाता रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष तिहैया ने भी सभा को संबोधित करते हुए अटल के जीवन दर्शन और राष्ट्र प्रथम के संकल्प पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला मंत्री रजत चौहान एवं आभार मंडल

महामंत्री कृपाल सिंह सोहल ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा,भाजपा नेता संदीप ममार,नीरज लूनावत,भारत भसीन, राजेश चौरसिया,आशुतोष नेमा, प्रदीप कोल, राकेश पंडा,अखिलेश रघुवंशी, दीपक शर्मा, कृष्णकुमार अग्रवाल, सावन साहनी, योगी माते,प्रखर दुबे, सुशील ठाकुर , ललित खत्री सहित करेली नगर मंडल के समस्त पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अटल जी के चित्र और प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके पदचिह्नों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया।

पत्नी और बच्चों के साथ सो रहे शख्स को सांप ने काटा, इलाज के बजाए शुरु हुआ तंत्र-मंत्र

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी जिला अस्पताल में एक बार फिर अंधविश्वास और स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच का खतरनाक चेहरा सामने आया है। सर्पदंश के बाद जिंदगी बचाने के लिए अस्पताल पहुंचे युवक को उसके परिजन उपचार के बीच वार्ड से बाहर ले आए और अस्पताल परिसर में ही करीब एक घंटे तक तांत्रिक से झाड़ - फूंक करवाते रहे। हैरानी की बात ये है कि इस दौरान मरीज की हालत ठीक नहीं थी और उसे परिजन सहारा देकर लेकर आए थे। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस गतिविधि को रोकने या मरीज को दोबारा चिकित्सकीय निगरानी में लेने के लिए कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं आया।

मामला जिले के माधवनगर थाना इलाके में आने वाले इमलिया गांव का है। यहां रहने वाले 29 वर्षीय सुमित पिता बसौरी कुमार को बीती रात करीब 3 बजे घर में सोते समय सांप ने काट लिया। सुमित पलंग पर पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ सो रहे थे। सांप के काटते ही उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर परिजन पहुंचे और आनन-फानन में उन्हें ऑटो से जिला अस्पताल लेकर आए। रात में जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने सुमित का उपचार शुरू किया। डॉक्टरों ने दवा की डोज दी और उन्हें वार्ड में भर्ती कर लिया। सर्पदंश के मामले में मरीज को चिकित्सकीय निगरानी में रखना बेहद जरूरी होता है, लेकिन उपचार के दौरान राहत नहीं मिलने पर परिजनों ने अस्पताल के इलाज पर भरोसा रखने के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लेने का फैसला कर लिया। परिजनों ने पड़ोसी जिले उमरिया से एक तांत्रिक को बुला लिया। तांत्रिक के अस्पताल पहुंचने के बाद परिजन सुमित को वार्ड से बाहर लेकर आए। इसके बाद अस्पताल परिसर में ही तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक का सिलसिला शुरू हो गया। करीब एक घंटे तक यह गतिविधि चलती रही। इस दौरान मरीज की हालत ऐसी थी कि वह खुद सामान्य रूप से चलने की स्थिति में नहीं था। परिजन उसे सहारा देकर लेकर आए थे। इसके बावजूद कथित तांत्रिक अस्पताल परिसर में तंत्र विद्या करता रहा और परिजन उसके जरिए मरीज के ठीक होने की उम्मीद लगाए बैठे रहे।

मेट्रो एंकर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन व कलेक्टर के आदेश बेअसर, प्रशासन के सामने जारी है सिलसिला

एक ही रात में दो जगह अवैध रूप से लगाईं महापुरुषों की प्रतिमाएं, एक खंडित

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के पिछोर में रात के अंधेरे में बिना किसी अनुमति के महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन और कलेक्टर के आदेशों के बावजूद अज्ञात लोगों ने एक ही रात में दो अलग-अलग स्थानों पर प्रतिमाएं लगा दीं। वहीं एक जगह पहले से स्थापित प्रतिमा को किन्हीं लोगों ने खंडित कर दिया।

पहली घटना मायापुर थाना क्षेत्र के राजापुर से कुछ दूरी पर स्थित पडरा चौराहे की है। यहां ईंट गारे से चबूतरा बनाकर रानी अवंती बाई की लोहे की फ्रेम वाली तस्वीर स्थापित कर दी गई। दूसरी घटना में पिछोर खोड मार्ग पर ग्राम पंचायत बूधोन के पास भी अज्ञात लोगों ने रात में रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित कर दी। दोनों ही जगह प्रतिमाएं बिना प्रशासनिक अनुमति के लगाई गई हैं। बता दें कि यह

कोई पहली घटना नहीं है कि रात के अंधेरे में प्रतिमाएं रखी गई हैं, बल्कि पिछले कुछ सालों में ऐसा कई बार हो चुका है।

दूसरी ओर विजयपुर तिराहे गणेशखेड़ा के पास शासकीय सांदीपनी विद्यालय के सामने पहले से स्थापित रानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने खंडित कर दिया। सुबह जब लोग वहां पहुंचे तो देखा कि प्रतिमा के हाथ की तलवार और पास में रखा शिवलिंग तोड़ दिया गया है। इस घटना से क्षेत्र में आक्रोश है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मायापुर थाना पुलिस का कहना है कि पडोरा चौराहे और बूधोन के पास प्रतिमा लगाने वाले अज्ञात लोगों की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं गणेशखेड़ा में प्रतिमा खंडित करने के मामले में भी अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जाएगा।

शासकीय जमीन पर कब्जा करने की कोशिश

पिछोर विधायक प्रतीम लोधी ने कहा है कि- इस तरह से रात के अंधेरे में प्रतिमाएं रखने की घटनाएं पूरी तरह से गलत हैं। मैं पिछोर की जनता से अपील करता हूं, कि इस तरह से प्रतिमाएं न रखें। इस तरह प्रतिमा रखना शासकीय जमीन पर कब्जा करने के लिए किया जाता है। अगर किसी को कहीं पर प्रतिमा रखनी है तो उसके लिए वैध तरीके से अनुमति लेकर प्रतिमा रखें। हमने भी प्रतिमाएं रखी हैं, लेकिन वह सभी प्रतिमाएं वैध तरीके से होती हैं। महापुरूषों को चोरी से रखना, यह गलत है। कुछ छुटभैये नेता अप

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी चोट

डब्ल्यूटीसी में मची खलबली, कंगारुओं पर बढ़ा दबाव, भारतीय टीम पर भी प्रेशर

डर्विन , एजेंसी

बांग्लादेश ने डार्विन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर न सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका का समीकरण भी बदल दिया। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली बार टेस्ट जीतने वाली बांग्लादेशी टीम की इस ऐतिहासिक सफलता ने शीर्ष पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को कम कर दिया है। वहीं, भारतीय टीम के लिए भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की दौड़ अब पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गई है।

23 साल बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंची बांग्लादेश, रचा इतिहास- बांग्लादेश की टीम 23 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट खेलने पहुंची थी। इससे पहले उसने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर केवल दो टेस्ट खेले थे और दोनों मुकाबले 2003 के दौरे में हुए थे। तीसरे प्रयास में बांग्लादेश ने वह कर दिखाया, जिसका उसे लंबे समय से इंतजार था। डार्विन के मरारा क्रिकेट मैदान पर खेला गया मुकाबला चार दिन में ही खत्म हो गया। बांग्लादेश ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाए रखा और मेजबान टीम को पहली पारी में महज 198 रन पर समेट दिया। तेज गेंदबाज हसन महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट अपने नाम किए।

पहली पारी में ही पलट दिया पूरा मुकाबला

ऑस्ट्रेलिया को कम स्कोर पर रोकने के बाद बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने मुकाबले की दिशा ही बदल दी। तंजीद हसन तमीम ने शानदार शतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बांग्लादेश ने पहली पारी में 426 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया पर 228 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। यह बढ़त निर्णायक साबित हुई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के गेंदबाजों ने उन्हें खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मेहदी हसन मिराज की फिरकी ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और उन्होंने पांच विकेट लेकर मेजबान टीम की दूसरी पारी को ज्यादा आगे नहीं बढ़ने दिया। इसके बाद बांग्लादेश को जीत के लिए छोटा लक्ष्य मिला, जिसे उसने महज एक विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत पर खतरा

इस हार का सीधा असर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका पर पड़ा है। मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया का अंक प्रतिशत 87.50 था, जो हार के बाद घटकर 77.77 रह गया। ऑस्ट्रेलिया अब भी तालिका में पहले स्थान पर है, लेकिन उसकी बढ़त पर खतरा बढ़ गया है। दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका का अंक प्रतिशत 75.00 है। यानी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच अंतर बेहद कम रह गया है। न्यूजीलैंड 72.22 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। बांग्लादेश को ऐतिहासिक जीत का बड़ा फायदा मिला। पांच टेस्ट में तीन जीत के साथ उसका अंक प्रतिशत 58.33 से बढ़कर 66.67 हो गया और वह चौथे स्थान पर कायम है।

भारतीय टीम के लिए बढ़ी मुश्किल

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में भारत 48.15 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके बाद श्रीलंका 41.67 प्रतिशत के साथ छठे नंबर पर है। इंग्लैंड 24.36, पाकिस्तान 22.22 और वेस्टइंडीज 20.83 प्रतिशत के साथ नीचे हैं। ऐसे में बांग्लादेश की जीत ने सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की स्थिति नहीं बदली, बल्कि भारत के लिए भी आगे के मुकाबलों की अहमियत बढ़ा दी है। शीर्ष टीमों के बीच अंक प्रतिशत का अंतर लगातार कम हो रहा है। भारत को अब अपने आगामी टेस्ट मुकाबलों में लगातार जीत हासिल करनी होगी, वरना विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दौड़ में वह और पीछे जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर पहली टेस्ट जीत हासिल करने में बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका की बराबरी कर ली है। दक्षिण अफ्रीका ने 1910 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट में पहली जीत दर्ज की थी। वहीं, इंग्लैंड ने 1877 में अपने दूसरे मुकाबले में ही ऑस्ट्रेलिया को उसकी जमीन पर हरा दिया था। बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उसने सिर्फ एक मजबूत टीम को नहीं हराया, बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शीर्ष टीम के समीकरण को भी हिला दिया।

हॉकी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भारी किरकिरी

गियर भूलकर मैदान में उतरी टीम, कप्तान को मिला ग्रीन कार्ड

पेनल्टी कॉर्नर आया तो खुली तैयारी की पोल

साउथम्प्टन, एजेंसी

हॉकी वर्ल्ड कप में लंबे इंतजार के बाद वापसी करने वाली पाकिस्तान की टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 1-4 की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। हार से ज्यादा चर्चा हालांकि मैदान पर हुई एक ऐसी लापरवाही की रही, जिसने पाकिस्तान हॉकी की तैयारियों और पेशेवर रवैये पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। टीम पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षात्मक गियर तक ड्रेसिंग रूम में भूल गई और मुकाबले के दौरान उसे लेने में देरी हो गई।

घटना मुकाबले के पहले हाफ में करीब 17वें मिनट की है। उस समय इंग्लैंड 1-0 से आगे था और पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला। लेकिन जैसे ही पाकिस्तानी खिलाड़ी पेनल्टी कॉर्नर के लिए तैयार हुए, टीम के पास जरूरी सुरक्षात्मक उपकरण उपलब्ध नहीं थे। बताया गया कि पेनल्टी कॉर्नर के दौरान इस्तेमाल होने वाला गियर ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। जरूरी उपकरण मैदान पर समय से उपलब्ध नहीं होने के कारण पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर लेने में देरी हुई। इस अव्यवस्था का असर इतना पड़ा कि पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड तक दिखा दिया गया।

पूर्व कप्तान लगाई फटकार

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर टीम के अनुशासन और संगठन को लेकर सवाल उठाए। उनके मुताबिक, विश्व कप जैसे बड़े मंच पर किसी टीम से ऐसी बुनियादी चूक की उम्मीद नहीं की जाती। इस घटना ने यह बहस भी छेड़ दी कि क्या पाकिस्तान की टीम ने टूर्नामेंट के लिए पर्याप्त पेशेवर तैयारी की थी। गियर की लापरवाही के बाद पाकिस्तान मुकाबले में भी इंग्लैंड के सामने टिक नहीं सका। इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4-1 से हरा दिया। पाकिस्तान लंबे समय बाद हॉकी वर्ल्ड कप में वापसी कर रहा है, इसलिए उससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। लेकिन पहले ही मैच में भारी हार और उसके साथ सामने आई यह अजीबोगरीब लापरवाही टीम के लिए दोहरी शर्मिंदगी बन गई।

रोनाल्डो और जॉर्जिना की शादी की पहली झलक आई सामने

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉर्जिना रोड्रिगेज की शादी आखिरकार दुनिया के सामने आ गई है। लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहने वाले इस कपल ने बेहद सादगी से शादी की थी। अब फैशन मैगजीन ने उनकी शादी की पहली तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें इस खास दिन की कई झलकियां देखने को मिली हैं। रोनाल्डो और जॉर्जिना ने 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्केस स्थित अपने घर में शादी की। खास बात यह रही कि यह तारीख उनके पहली बार मिलने की 10वीं सालगिरह भी थी। दोनों की पहली मुलाकात मैड्रिड के एक गुच्ची स्टोर में हुई थी, जहां उस समय जॉर्जिना सेल्स असिस्टेंट के तौर पर काम करती थीं।

कभी महल में शादी का सपना देखती थीं जॉर्जिना | जॉर्जिना ने बातचीत में बताया कि बचपन में वह अपनी शादी को बेहद भव्य तरीके से देखती थीं। हालांकि, समय के साथ उनकी सोच बदल गई। उन्होंने कहा, जब मैं छोटी थी, तो मैं सबसे बड़े महल, सबसे शानदार बग्घी, सबसे लंबी ड्रेस और हीरों से भरे मुकुट का सपना देखती थी।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में मिली हार गर्मी से दिखे परेशान; डॉक्टर की लेनी पड़ी मदद

सिनसिनाटी, एजेंसी

सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

ट्रोलिंग को अब दिल पर नहीं लेतीं, नीति टेलर बोलीं, सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं

कैसी ये यारियां से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो एलायंस में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खूब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है।

नीति ने कहा, अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।

ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए नीति ने कहा, ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं, जिन्हें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, क्योंकि उनकी अपनी जिंदगी ठीक नहीं चल रही होती। ऐसे लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर है, तो आपकी लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।

सफलता जोड़कर देखा ट्रोलिंग को

नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपकी सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं। बात अगर एलायंसमें उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशाल टंडन की दोस्ती की हुई। शो की शुरुआत में दोनों के बीच ज्यादा अच्छी बॉन्डिंग नहीं थी और उनके रिश्ते में दूरी दिखाई देती थी।

अमिताभ ने बताया देर रात मैच देखने का तरीका, कहा-

जया की नींद खराब न हो इसलिए मैं-अभिषेक हेडफोन लगाते हैं

मेगास्टार अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन-18% से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। शो में अभिनेता अक्सर निजी जिंदगी या अपनी जिंदगी के यादगार पलों का खुलासा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि वे और उनके बेटे अभिषेक बच्चन देर रात तक गेम या मैच देखते हुए मजेदार हरकतें करते हैं।

क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन-18 में पूछताछ के बीच कंटेस्टेंट के साथ मजेदार बातचीत में मेगास्टार ने बताया कि वे और अभिषेक देर रात तक गेम देखते हैं। इस वजह से वह अक्सर हेडफोन लगाते हैं ताकि ताकि घर पर जया बच्चन को कोई परेशानी न हो।

शो के दौरान अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कंटेस्टेंट से कहा, अभिषेक और मेरी स्पोर्ट्स देखने में बहुत दिलचस्पी हैं और इस दौरान हम बहुत अजीब हरकतें करते हैं। कंटेस्टेंट ने अभिनेता से पूछा कि क्या जया बच्चन को घर पर मैच देखने में कोई दिक्कत नहीं होती, क्योंकि मेरी पत्नी को तो होती है, तो मेगास्टार ने हंसते हुए इसकी पुष्टि करते हुए अपना तरीका बताया। उन्होंने कहा,बिल्कुल सर, ऐसा ही कुछ होता है, लेकिन हमने थोड़ी-सी अकलमंदी लगाई है। दरअसल, हमने एक अलग टीवी लगवाया है और पत्नी जया बच्चन को बोलते हैं कि आप जाकर सो जाइए, बहुत देर हो गई है, तो वह जाकर सो जाती हैं, और हमलोग रात भर मैच देखते हैं। मेगास्टार ने आगे बातचीत में यह भी बताया कि वे यह भी सुनिश्चित करते हैं कि उनकी उत्सुकता से किसी की नींद खलल न हो। अमिताभ बच्चन ने कहा, ÷एक बात और आपको बता दें कि हमारी वजह से किसी को दिक्कत न हो या नींद खराब न हो, जिस वजह से हम हेडफोन लगाकर सुनते हैं, देखते हैं या फिर वॉल्यूम कम रखते हैं।

मेट्रो बाजार

एफएसएसएआई के नोटिस के बाद खाद्य कंपनियों ने भ्रामक दावों को हटाया, लेबल-उत्पादों में बदलाव

नई दिल्ली भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा भ्रामक दावों, गैर-मानकीकृत उत्पादों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर जारी नोटिसों के बाद कई खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। यह जानकारी सरकारी एजेंसी की ओर से रविवार को दी गई।

एफएसएसएआई ने कहा, ÷नोटिस के बाद प्रमुख खाद्य व्यवसाय संचालकों ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। इन कदमों में भ्रामक लेबल दावों को हटाने से लेकर उपभोक्ता सुरक्षा और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उत्पादों की पैकेजिंग में बदलाव शामिल हैं। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ऑनेस्ट इनोवेशन फॉर यू प्राइवेट लिमिटेड और हेलियोस्टोन स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड को भ्रामक ट्रेडमार्क के उपयोग के लिए नोटिस जारी किया गया था। एफएसएसएआई के नोटिस के बाद दोनों कंपनियों ने अपने उत्पादों के नाम में बदलाव किया। इसी तरह, राजस्थान एग्रो एंड जनरल इंडस्ट्रीज भी भ्रामक ट्रेडमार्क का उपयोग करती पाई गई। कंपनी ने नोटिस का पालन करते हुए सभी भ्रामक दावों को हटाया और उत्पादों से संबंधित संचार में पीपीएम शब्द का इस्तेमाल बंद कर दिया। एक अन्य मामले में, आयोटा नैनोटेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को गैर-मानकीकृत उत्पादों के लिए चिन्हित किया गया। कंपनी ने उत्पाद के लेबल से भ्रामक दावों को हटाया और गैर-मानकीकृत पानी का उत्पादन बंद कर दिया।

आरबीआई ब्याज दरों पर फैसले को लेकर वेट एंड वॉच मोड में, मध्य पूर्व तनाव बड़ा जोखिम: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नीतिगत दरों (ब्याज दरों) पर फैसले को लेकर वेट एंड वॉच मोड में बना हुआ है और मध्य पूर्व तनाव के समाधान को लेकर बनी हुई अनिश्चितता मैन्युफैक्चरिंग इनपुट लागत के लिए एक बड़ा जोखिम बनी हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। यस बैंक की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फिलहाल आरबीआई आपूर्ति पक्ष से आ रहे महंगाई के दबाव को नजरअंदाज कर %वेट एंड वॉच% मोड में बना हुआ है। हालांकि, इसमें लगातार इजाफा हो रहा है, जो दिखाता है कि आपूर्ति पक्ष में हाल में आया झटका पूरी तरह से उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है।

इससे आने वाले समय में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना शून्य नहीं होती है। यस बैंक ने अपने नोट में अनुमान जताया है कि थोक महंगाई दर इस साल 9 प्रतिशत और खुदरा महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। खुदरा और थोक महंगाई के बीच अंतर बना हुआ है, इसलिए थोक से खुदरा तक महंगाई के असर पास होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

हालांकि, नोट में कहा गया, ÷हमें लगता है कि सरकार तेल कंपनियों के अंडर-रिकवरी का बोझ पेट्रोल और डीजल की पंप कीमतों पर डालने से हिचकिचाएगी।÷ जुलाई के लिए मुख्य थोक महंगाई सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीदों (9.75 प्रतिशत) के अनुरूप है और जून के 9.9 प्रतिशत के मुकाबले इसमें थोड़ी कमी आई है। यस बैंक ने अपने नोट में कहा, ÷हालांकि इनपुट कीमतों को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, लेकिन अहम मुद्दा यह है कि क्या यह स्थिति बनी रहेगी, क्योंकि वेस्ट एशिया संकट के समाधान को लेकर अनिश्चितता है। हम थोक से रिटेल तक महंगाई के असर का अंदाजा लगने का इंतजार कर रहे हैं।

नागपंचमी पर पचमढ़ी के नागद्वारी मेले में पहुंचे लाखों श्रद्धालु

पूरे देश में नागपंचमी आज बड़े धूमधाम से मनाई जा रही है। मदिरों मे श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. वहीं प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित पचमढ़ी के जंगलों में नागद्वार देव स्थान के दर्शन करने लोग पहुंच रहे हैं। यहां पहुंचना आसान नहीं था। इस स्थान तक पहुंचने के लिए खतरनाक 7 पहाड़ों की चढ़ाई और बारिश में भीगे घने जंगलो में 12 किलोमीटर का दुर्गम रास्ता पार कर पहुंचना होता है। बारिश में यह रास्ता और अधिक खतरनाक हो जाता है पर इन सब कठिनाइयों पर आस्था भारी है और लाखों लोग नागद्वार देवस्थान के दर्शन करने पचमढ़ी के नागद्वारी स्थान पर जा रहे हैं। मान्यता है कि जो लोग नागद्वार जाते हैं उनकी मांगी गई मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

न्यूज विंडो

हाईवे पर रोडवेज बस ने बैलगाड़ी में मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

संभल। मेरठ-बदायूं हाईवे पर तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बैलगाड़ी में टक्कर मार दी। हादसे में बैलगाड़ी सवार पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बैलगाड़ी में जुते बैल ने भी दम तोड़ दिया।धनीपुर गांव निवासी धीरेन्द्र तड़के करीब चार बजे अपने बेटे सुमित के साथ बैलगाड़ी लेकर किसी काम से जा रहे थे। उनकी बैलगाड़ी मेरठ-बदायूं हाईवे पर जुनावई कस्बे के समीप पहुंची थी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने अनियंत्रित होकर बैलगाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बैलगाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और उस पर सवार धीरेन्द्र और सुमित सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही देर में उनकी मौके पर मौत हो गई। वहीं बैलगाड़ी में जुते एक बैल की भी हादसे में मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया।

अब 'दिमागी नक्सल पार्टी' का बना इंस्टाग्राम अकाउंट, 1.7 लाख से अधिक फॉलोअर्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब 'दिमागी नक्सल पार्टी' नाम से बना एक नया अकाउंड रातोंरात सुर्खियों में आ गया है। इस अकाउंट ने महज 24 घंटों में 1.7 लाख से अधिक फॉलोअर्स हासिल कर लिए हैं।इंस्टाग्राम पर मौजूद जानकारी के अनुसार, यह अकाउंट इसी महीने खोला गया था। लॉग से पता चलता है कि यूजरनेम एक बार बदला गया था। इस अकाउंट पर अब तक 63 पोस्ट किए गए हैं। यह लगभग 35 लोगों को फॉलो करता है। हालांकि, इसका संचालन कौन कर रहा है, इस बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।दरअसल, यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में सशस्त्र नक्सलियों के खात्मे का जिक्र करते हुए देश को घात लगाकर बैठे 'बुद्धिजीवी/दिमागी नक्सलियों' से सतर्क रहने का आह्वान किया था। जिसके बाद दिमागी नक्सल पार्टी चर्चा में आई है। इस नाम से इंस्टाग्राम पर कई अकाउंट दिख रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा, 'भले ही जंगल में हथियार उठाने वाले नक्सल खत्म हो गए हों, लेकिन दिमागी नक्सल अब भी मौके की तलाश में हैं।

पूनावाला ने फिर भेजा इस्तीफा बोले- पार्टी के लिए आभारी रहूंगा

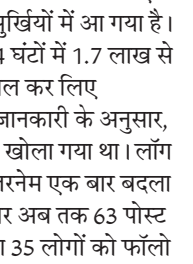

नई दिल्ली। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने क्ष्छ्क और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को अपना इस्तीफा भेजकर इसे स्वीकार करने का अनुरोध किया है।

पूनावाला ने कहा कि वह BJP और पार्टी नेताओं से मिले मार्गदर्शन, प्यार, सम्मान और मंच के लिए हमेशा आभारी रहेंगे। उन्होंने पीएम मोदी, नितिन नवीन, गृह मंत्री अमित शाह, बीएल संतोष, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी समेत पार्टी के सीनियर नेताओं का नाम लेकर आभार जताया।

ईरान का बड़ा ऐलान

अमेरिका के सैनिक को मारने या पकड़ने पर 28 लाख रुपए इनाम

तेहरान, एजेंसी

ईरानी सेना ने ऐलान किया है कि किसी अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति को 30 हजार डॉलर (करीब 28 लाख रुपए) का इनाम दिया जाएगा। अगर यह काम कोई महिला करती है तो इनाम की रकम दोगुनी यानी 60 हजार डॉलर कर दी जाएगी।

ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी ने तेहरान में कहा कि यह योजना कई मांगों के बाद बनाई गई है। यह उन लोगों के लिए है, जो फाइनेंशियल जिहाद के जरिए देश के युद्ध प्रयासों में आर्थिक रूप से मदद करना चाहते हैं।

हातमी बोले- अमेरिकी सेना को पीछे हटने पर मजबूर किया

हातमी ने कहा कि इस संघर्ष ने अमेरिका के सैन्य दबदबे को कमजोर किया है। साथ ही कई देशों को अपनी सुरक्षा के लिए दूसरे विकल्प तलाशने पर मजबूर किया है।

हातमी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने ईरान की हार के बाद होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का क्षेत्र घोषित करने की बात कही थी।

द यरुशलम पोस्ट के मुताबिक हातमी ने दावा किया कि ईरान ने अमेरिकी सेना को प्रभावी रूप से पीछे हटने पर मजबूर किया है। अब उसे फारस की खाड़ी, ओमान सागर या होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

ईरान बोला- कतर ने हमारे 3 पायलट पकड़े

ईरान ने आरोप लगाया कि कतर ने उसके तीन पायलटों को 2 मार्च से कैद कर रखा है। ईरान के मुताबिक, उस दिन अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के शुरुआती दिनों में उनके स्ब्व-24 विमान कतर की एयर डिफेंस की चपेट में आए थे।पायलट पैराशूट से नीचे उतरे और जिंदा बच गए, लेकिन इसके बाद कतर के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। यह दावा ईरानी सेना में लापता लोगों की तलाश करने वाली समिति के प्रमुख जनरल सैयद मोहम्मद बाघेरजादेह ने रेड क्रॉस को लिखे पत्र में किया है।बाघेरजादेह ने जिन पायलटों के नाम बताए, उनमें जवाद सालेही, अब्दोलमजीद दश्तियान और ओमरान बेहरावेशियन शामिल हैं। उनके मुताबिक, एक और पायलट माजिद काजेमी की मौत हो गई थी।ईरान का कहना है कि इससे पहले तक उसे इन तीनों का कोई पता नहीं था। अब उसने रेड क्रॉस से उनकी स्थिति की जांच करने और उन्हें परिवार से मिलने देने की मांग की है।

कांदिवली में कमर्शियल बिल्डिंग में लगी आग, 11 को किया रेस्क्यू

मुबंई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के कांदिवली इलाके में तड़के एक चार मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की चार गाड़ियां पहुंची। इस दौरान 11 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दरअसल, कांदिवली स्टेशन रोड स्थित अभिराई होटल में सोमवार तड़के लगभग 4:14 बजे आग लग गई और पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। जिसके बाद दमकलकर्मियों ने सीढ़ियों की मदद से दूसरी मंजिल पर स्थित लॉजिंग हाउस से 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं

नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि आग कमर्शियल बिल्डिंग की बिजली की वायरिंग और इंस्टॉलेशन, लकड़ी के फर्नीचर, तिरपाल, बांस और एल्युमीनियम व प्लास्टिक की सजावटी शीट तक ही सीमित रही। आग लगने से कोई घायल नहीं हुआ है।

दमकलकर्मियों ने आग पर पाया काबू

नगर निकाय अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए कम से कम चार दमकल गाड़ियां और अन्य वाहन तैनात किए गए और सुबह 6:07 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

बीजेपी नेता का अजीबोगरीब बयान: 'हाईवे का काम रुकने और शराब की समस्या के लिए ट्रंप जिम्मेदार'

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बीजेपी नेता का कहना है कि राज्य के दो कस्बों को जोड़ने वाले हाईवे के निर्माण कार्य में देरी और शराब की खपत बढ़ने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप जिम्मेदार हैं।अहमदनगर के पूर्व सांसद सुजय विखे पाटिल ने ट्रंप की खराब नीतियों को इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए जरूरी सामान की कमी से जोड़ने के लिए एक लंबी दलील दी।

बीजेपी नेता ने कहा, 'भगवान की कसम मैंने अपनी पूरी जिंदगी में ऐसा सनकी आदमी कभी नहीं देखा। सुबह वह कहता है कि रुक जाओ और शाम को फिर बम गिराने लगता है... हमारे लिए बेहतर यही है कि हम उस आदमी के चक्कर में न पड़ें।' उन्होंने अहिल्यानगर-मनमाड रोड प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए कहा, 'आज तार (कोलतार) न मिलने की वजह से ठेकेदार को इसे दिल्ली से गाड़ियों के जरिए लाना पड़ रहा है। लागत ढाई गुना बढ़ गई है और बढ़ी हुई लागत के लिए मंजूरी की भी जरूरत है। ये तकनीकी दिक्कतें हैं... जो परेशानियां आपको हो रही हैं, वही मुझे भी हो रही हैं।'

आगरा-अलीगढ़ ग्रीनफील्ड हाईवे को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी, पूरब से पश्चिम की तरफ जाना होगा आसान

लखनऊ। आगरा-अलीगढ़ ग्रीनफील्ड हाईवे को चौड़ा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिल गई है। अनुमति न मिलने से इस हाईवे के पैकेज-2 के 37 किमी हिस्से का काम रुका हुआ था। अब इस पर सितंबर में काम शुरू हो जाएगा। वहीं, अलीगढ़-चंदौसी-मुरादाबाद हाईवे को फोरलेन करने के लिए भी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो रही है।

इन सड़कों के निर्माण से स्थानीय लोगों का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल व यमुना एक्सप्रेसवे पर पहुंचना और भी सुगम हो जाएगा। पूरब से पश्चिम को जोड़ने की एनएचएआई की मुहिम को रफ्तार मिलेगी। आगरा-अलीगढ़ ग्रीनफील्ड हाईवे 65 किमी लंबा है और इसकी कुल लागत 820 करोड़ है। एनएचएआई ने यह परियोजना दो पैकेज में मंजूर की थी। पहले 28 किमी लंबे पैकेज पर करीब दो माह से काम चल रहा है। 37 किमी लंबा दूसरा पैकेज ताज ट्रैपेजियम जोन (टीटीजेड) में होने के चलते इसे सुप्रीम कोर्ट की अनुमति आवश्यक थी।

उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, दूसरे पैकेज पर काम आगे बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की अनुमति मिल चुकी है। इसके अलावा आगरा-चंदौसी-मुरादाबाद हाईवे वर्तमान में दो लेन है, जिसे फोरलेन किया जाएगा। इस पर उच्चस्तर पर सहमति बन गई है। 107 किमी लंबी इस परियोजना पर 4 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मेट्रो एंकर

बर्फीले तूफान और कम ऑक्सीजन के बीच मोनी ने फतह किया माउंट एल्ब्रुस

5,643 मीटर ऊंची चोटी पर तिरंगा, बिहार की बैंक मैनेजर ने रचा इतिहास

सारण, एजेंसी

बिहार की बेटी और सारण की बहू मोनी कुमारी ने यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस (5,643 मीटर) पर तिरंगा फहराकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आरा (भोजपुर) की रहने वाली और बिहार ग्रामीण बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत मोनी कुमारी ने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और मेहनत के दम पर यह कामयाबी हासिल की। उन्होंने इस उपलब्धि से बिहार के साथ-साथ अपने परिवार का नाम भी रोशन किया है।

मोनी कुमारी ने अपने पर्वतारोहण अभियान की शुरुआत 10 अगस्त 2026 को की थी। उनका मुख्य शिखर आरोहण 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के दिन प्रस्तावित था। हालांकि, पर्वतीय क्षेत्र में मौसम के बिगड़ते मिजाज और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने अपनी टीम के साथ तय समय से एक दिन पहले ही 14 अगस्त की सुबह माउंट एल्ब्रुस का सफल आरोहण कर लिया।

खराब मौसम और बर्फीले रास्तों के बीच चढ़ाई

माउंट एल्ब्रुस की चढ़ाई के दौरान मोनी कुमारी को कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। अभियान के दौरान अत्यधिक ठंड, तेज हवाएं, भारी बर्फबारी, कम ऑक्सीजन स्तर, फिसलन भरे बर्फीले रास्ते और लगातार बदलते मौसम ने उनकी परीक्षा ली। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ती रहीं। आखिरकार उन्होंने 5,643 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचकर तिरंगा फहराया।

माउंट किलिमंजारो भी कर चुकी हैं फतह

माउंट एल्ब्रुस पर मोनी कुमारी की यह पहली बड़ी पर्वतारोहण उपलब्धि नहीं है। इससे पहले दिसंबर 2025 में उन्होंने अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो का भी सफलतापूर्वक आरोहण किया था। पर्वतारोहण के तकनीकी पहलुओं को समझने और प्रशिक्षण हासिल करने के लिए वह प्रतिष्ठित बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स (क्र्ब्ष्ट) भी पूरा कर चुकी हैं।मोनी कुमारी मूल रूप से आरा (भोजपुर) की रहने वाली हैं। वह सारण जिले के इसुआपुर प्रखंड के डटरा पुरसौली गांव निवासी विनोद कुमार सिंह के परिवार की बहू हैं। बैंक की नौकरी की जिम्मेदारियों के साथ पर्वतारोहण के अपने जुनून को जारी रखते हुए उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।मोनी कुमारी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार को दिया है। उन्होंने अपने पति आशीष कुमार, माता-पिता और सास-ससुर के निरंतर सहयोग, समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभार जताया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564